सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 192 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 26 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

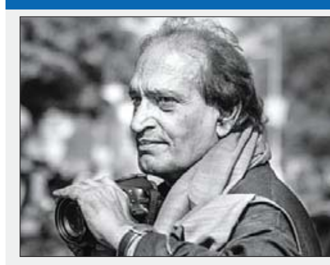

मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का 83 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने फोटोग्राफरों में शुमार रघु राय का रविवार तड़के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। रघु राय ने अपनी कैमरे की नजर से भारत के विविध रंगों और जीवन के अनेक पहलुओं को दुनिया के सामने पेश किया। उनके बेटे और फोटोग्राफर नितिन राय ने बताया, 'पिता को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था जिसका इलाज हुआ। पर इसके बाद कैंसर पेट तक फैला, वह भी ठीक हो गया। हाल ही में कैंसर उनके मस्तिष्क तक पहुंच गया था और उम्र से जुड़ी अन्य समस्याएं भी थीं।'

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ : बद्रीनाथ में 37,884 श्रद्धालु पहुंचे

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष 23 अप्रैल को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। कपाट खुलने के पहले तीन दिनों में कुल 37,884 श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए हैं।

धनीकरका में शर्मसार हुआ रिश्ता : झाड़-फूंक करने से मना किया तो बेटे ने हंसिये से चीर दिया मां का सीना

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। एक बेटे ने अपनी मां का सीना केवल इसलिए चीर दिया कि वह उसे झाड़-फूंक करने से रोक रही थी। मां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

वारदात 23 अप्रैल 2026 की रात ग्राम धनीकरका की है। शिकायतकर्ता कोवा मरकाम ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी आयते मरकाम और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर के आंगन में बैठे थे और आम छील रहे थे। उसी दौरान उसका बेटा बुधराम मरकाम अपनी बुआ के लिए झाड़-फूंक करने लगा। झाड़-फूंक के दौरान उसने अपने पिता को देवगुड़ी से रेत लाने के लिए भेजा। इसी बीच रात करीब 10 बजे उसकी मां आयते मरकाम ने उसे झाड़-फूंक करने से मना किया और इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद बढ़ने पर बुधराम मरकाम गुस्से में आ गया। उसने अपनी मां के साथ मारपीट की और उसे जमीन पर पटक दिया। इसके बाद पास में रखे हंसिए से उसके सीने में वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से आयते मरकाम (53) की मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात की सूचना मिलते ही कुआकोंडा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। कोवा की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 17/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया।

पुलिस ने आरोप बुधराम मरकाम (34), निवासी ग्राम धनीकरका को 24 घंटे के भीतर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना को स्वीकार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को 25 अप्रैल 2026 को न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर उसे जिला जेल दंतेवाड़ा भेज दिया गया है।

तापमान के साथ ही दिमाग भी हुआ गर्म जिले में 24 घंटे में चार लोगों की हत्या

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। ग्रीष्म में बढ़ते तापमान के कारण केवल ट्रांसफार्मर नहीं फट रहे बल्कि लोगों का दिमाग भी फट रहा है। शनिवार को एक जवान की पत्नी और बेटे की हत्या की चर्चाएं अभी थमी भी नहीं थी कि रविवार की सुबह दो और हत्याओं की खबर लेकर आई।

दुर्ग जिले में रविवार की सुबह हत्या की दो खबरों के साथ हुई। पहला मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है, जहां पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। वहीं दूसरा मामला जेवरा चौकी क्षेत्र के करहीडीह का है, जहां एक मजदूर की सिर कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई।

खुर्सीपार थाना अंतर्गत बापू नगर उड़िया बस्ती निवासी 30 वर्षीय विक्रम सोना उर्फ फकीरा का मोहल्ले के ही 60 वर्षीय मुरली उर्फ मुच्छू से नहीं बनती थी। दोनों के बीच आए दिन किसी न किसी बात को लेकर झड़प होती थी। रविवार सुबह फिर दोनों के बीच बहस हो गई। बात बढ़ गई और मुच्छू गुस्से में टंगिया निकाल लाया। उसने विक्रम पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। आसपास के लोगों ने विक्रम को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खुर्सीपार टीआई आनंद शुक्ला ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सिर कुचलकर हत्या

दूसरी घटना जेवरा चौकी क्षेत्र के करहीडीह की है। मृतक नारायण निषाद मूल रूप से बेरला का निवासी है। करहीडीह में वह किराए के मकान में रहकर मजदूरी करता था। सांस्कृतिक भवन के पास उसका शव मिला। उसके सिर और चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया गया था। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार नारायण निषाद की पत्नी करहीडीह में ही अपने मायके में रह रही थी। इसलिए नारायण भी बेरला से यहां आ गया था और मजदूरी करता था।

मानसिक रोगी ने ब्रिज से लगा दी छलांग

नेवई थाना क्षेत्र में धनोरा के 32 वर्षीय कविश तारक ने मरोदा ओवरब्रिज से छलांग लगा दी। उसे गंभीर चोटें आई हैं। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कविश पिछले दो साल से मानसिक रोग से ग्रस्त है, जिसका इलाज चल रहा है।

ग्रीष्म को मात देने एक दिन में पी गए लगभग 42 करोड़ की शराब

रायपुर। एक तरफ लोग गर्मियों में त्राहि-त्राहि कर रहे हैं वहीं मदिरा प्रेमी खूब जाम छलका रहे हैं। 22 अप्रैल को एक ही दिन में छत्तीसगढ़ वासियों ने 41 करोड़ 75 लाख रुपए की शराब गटक कर नया रिकार्ड बनाया है। यह खुलासा आबकारी के तुलनात्मक बिक्री रिपोर्ट में हुआ। 1 अप्रैल से शराब कारोबार का नया वित्तीय वर्ष शुरु हुआ है। कई नए ब्रांड भी उतारे गए हैं। 22 अप्रैल 2025 को एक ही दिन में शराब खपत का आंकड़ा करीब 33.86 करोड़ था, वहीं इस वर्ष 22 अप्रैल को एक ही दिन में 41 करोड़ 75 लाख रुपए की शराब बिक्री का रिकार्ड बना है। बिक्री के इन आंकड़ों में राजधानी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जैसे बड़े शहरों का दबदबा तो पहले की तरह बरकरार है, लेकिन छोटे जिले भी चौंका रहे हैं। बड़े शहरों में रुटीन के हिसाब से जाम छलके, वहीं कोरिया और सूरजपुर जैसे जिलों में तो मानों मदिरा प्रेमियों ने रिकार्ड तोड़ अभियान छेड़ रखा है।

जनगणना बना सबसे बड़ा अभियान अब तक 1.2 करोड़ आवास सूचीबद्ध

- पीएम मोदी के मन की बात की 133वीं कड़ी
- बदलते देश की रूपरेखा पर केन्द्रित रही चर्चा

एजेंसियां

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है।

बुद्ध जयंती की शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने कहा, भगवान गौतम बुद्ध ने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरु होती है, स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।

कच्छ के रण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बरसात खत्म होते ही यहां की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लेमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी हो जाता है। कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं।

उन्होंने कहा, आज पवन-शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। अब भारत का विंड एनर्जी जनरेशन कैपेसिटी 56 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है। गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे राज्य इस सेक्टर में अपना परचम लहरा रहे हैं। कच्छ, पाटन, बनासकांठा जैसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ रेगिस्तान नजर आता था। आज वहां बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क बन रहे हैं।

ट्रंप पर हमला : लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं : मोदी

एजेंसियां

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस डिनर के दौरान हथियारबंद व्यक्ति घुसने से हड़कंप मच गया, लेकिन सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई कर उसे काबू में लिया। पीएम मोदी ने घटना पर चिंता जताई। साथ ही इस हिंसा की कड़ी निंदा की।

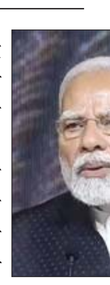

प्रधानमंत्री मोदी ने वॉशिंगटन में हुई घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह जानकर राहत मिली है कि डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है।' मोदी ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए शुभकामनाएं भी दीं। अपने संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होती और ऐसी घटनाओं की पूरी तरह निंदा की जानी चाहिए।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा, 'प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाया जाता है'। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी ट्रंप पर पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था जब गोली उनके कानों को छूती हुई निकल गई थी।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर हमले का लंबा इतिहास

अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर हमलों का लंबा इतिहास है। चार राष्ट्रपतियों की तो पद पर रहते हुए ही हत्या कर दी गई। 1835 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन पर हमला किया गया। 1865 में एक थिएटर में राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को गोली मार दी गई। 1881 में राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड को गोली से उड़ा दिया गया। विलियम मैकिनले को 1901 में गोली मार दी गई। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को पूर्व नौसैनिक ली हार्वे ओसवाल्ड ने 1963 में गोली से उड़ा दिया। 1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट को चुनावी अभियान के दौरान गोली मार दी गई। 1933 में मियामी में फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट पर हमला किया गया था। 1950 में राष्ट्रपति का पद संभाल रहे हैरी ट्रूमैन को गोली मार दी गई। 1972 में जॉर्ज वालेस को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। 1975 में राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड पर कैलिफोर्निया में दो बार हमला हुआ। 1981 में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन तथा 2005 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश पर हमला किया गया था।

ननद को बताया सौत और ले लिया एकतरफा तलाक

ग्वालियर। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में एक महिला ने अपने पति से अलग होने के लिए ऐसी साजिश रची कि सुनने वाले दंग रह गए। महिला ने फैमिली कोर्ट में अपने पति की सगी बहन को ही उसकी 'दूसरी पत्नी' करार दे दिया और एक पारिवारिक तस्वीर को अवैध शादी का सबूत बताकर पेश कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इस झूठ के आधार पर कोर्ट ने एकतरफा तलाक की डिक्री भी जारी कर दी। इस झूठ का खुलासा अब जाकर हुआ है।

मासूम को ले जा रहा था जंगल, लोगों ने पीटा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई-3। पांच साल की मासूम को चाकलेट दिलाने के बहाने एक युवक जंगल की ओर लेकर जा रहा था। तभी लोगों की उसपर नजर पड़ी। उन्होंने उसे पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। मासूम की मां नहीं है और एक मितानिन उसकी देखभाल करती है।

आरोपी को पकड़ने के बाद लोगों ने उस पर थप्पड़ और लात-घूंसों की बरसात कर दी। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। यह मामला भिलाई-3 थाना क्षेत्र का है।

14 दिन में दूसरा मामला

दो सप्ताह पहले उतई थाना क्षेत्र में 5 साल की बच्ची से भी रेप हुआ था। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज सामने आया था, जिसमें आरोपी बच्ची को चॉकलेट दिलाकर साथ ले जाते दिखाई दिया।

दरअसल, बच्ची की मां नहीं है और उसके पिता काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं। बच्ची की देखभाल और परवरिश एक मितानिन कर रही है, जिसने उसे गोद लिया हुआ है। शनिवार की शाम करीब 5 बजे बच्ची घर के बाहर खेल रही थी तभी आरोपी वहां पहुंचा और चॉकलेट दिलाने के बहाने जंगल और झाड़ियों की तरफ ले जाने लगा। गांव के कुछ लोगों ने उसे देख लिया। ग्रामीण पीछे-पीछे गए। समय रहते सभी ने बच्ची को बचा लिया।

सूचना मिलते ही एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर और सीएसपी प्रशांत कुमार समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। आरोपी किशोर चौहान (23) के खिलाफ धारा 137(2), 65(2), 296, 115(2), 351(3) और 4,12 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु में कोई और डाल गया अक्षया का वोट

चेन्नई। तमिल अभिनेत्री अक्षया हरिहरन ने दावा किया है कि 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों 2026 के दौरान किसी और ने उनके नाम पर वोट डाल दिया। अभिनेत्री ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि ऑनलाइन अपनी डिटेल्स चेक करने के बाद वह चेन्नई के अड्यार में अपने पोलिंग बूथ पर वोट डालने पहुंचीं। जब वे बूथ पर अपनी वोटर स्लिप निकवाने गईं तो पता चला कि उनका वोट कोई और डाल गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान ने पकड़ी आग

नई दिल्ली (ए)। स्विस एयर का एक विमान दिल्ली से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने ही वाला था। जैसे ही विमान रनवे पर गति पकड़ रहा था, तभी उसके एक इंजन से असामान्य आवाज आने लगी और देखते ही देखते उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। इस घटना में कम से कम 6 यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, पायलट और ग्राउंड स्टाफ की तत्परता के चलते एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

सूत्रों के अनुसार, स्विस एयर का यह विमान दिल्ली से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने ही वाला था।

टेकऑफ के दौरान हुआ हादसा, छह यात्री घायल

इंजन से आती आवाज को गंभीरता से लेते हुए पायलट ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी। एयरपोर्ट दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाएं तुरंत हरकत में आ गईं। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया और विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

इस दौरान विमान में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान 6 यात्री हल्के रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

दूसरी शादी में यूं ही नहीं बना सकते किसी को भी आरोपी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि पति की दूसरी शादी की केवल जानकारी होने भर से उसके रिश्तेदारों को बाईगेमी यानी पत्नी के रहते दूसरी शादी के अपराध में आरोपी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्तेदारों ने दूसरी शादी को संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाई, उसे बढ़ावा दिया या उसमें सहायता की, तब तक उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 494 (बाईगेमी) के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती।

नांदगांव में पारा 45.5, हीटवेव का अलर्ट गरज-चमक के साथ पड़ सकती हैं बौछारें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिनों तक प्रदेश में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, जबकि उसके बाद हल्की गिरावट हो सकती है। इस दौरान हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की गई है।

प्रदेश में शुक्रवार को मौसम शुष्क रहा। सबसे ज्यादा तापमान राजनांदगांव में 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 26 अप्रैल को कुछ जगहों पर गरज-चमक, बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। हालांकि, इसके साथ ही हीटवेव का असर भी बना रहेगा। राजधानी रायपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। इसके साथ ही शहर में हीटवेव जैसी स्थिति रहने की आशंका जताई गई है।

दोस्त को उसकी पत्नी करती थी परेशान मदद करने पहुंचे दोस्त ने तान दिया कट्टा

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा में दोस्त की पत्नी को देशी कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र के बांधापारा गांव का है।

जानकारी के अनुसार बांधापारा गांव में एक दंपती के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। पति ने इस विवाद की जानकारी अपने दोस्त राजेश दुबे (43) को दी। इसके बाद राजेश शुक्रवार रात अपने दोस्त की मदद करने के लिए कट्टा-कारतूस लेकर उसके घर पहुंचा।

घर में घुसते ही आरोपी राजेश ने दोस्त की पत्नी को देशी कट्टा दिखाया। उसने महिला के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और मारपीट भी की। पीड़िता ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही जटगा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी राजेश दुबे को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी ने बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के हुसैन थाना क्षेत्र का निवासी है। करीब 10 साल पहले वह कट्टा-कारतूस लेकर कोरबा आया था और तब से इसे अपने पास रखे हुए था।

घरेलू विवाद में दोस्त ने दी जान से मारने की धमकी

एएसपी लखन पटले ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद में आरोपी देशी कट्टा लेकर पहुंचा और महिला को धमकी देने लगा। महिला की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर देशी कट्टा और कारतूस बरामद किया।

संपादकीय

पार्टी टूटती है जब नेता तानाशाह हो जाता है

देश में बहुत कम राजनीतिक दल हैं जो किसी आंदोलन के कारण बने हैं। आम आदमी पार्टी एक ऐसा ही राजनीतिक दल है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में हुए आंदोलन से बना। कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे को ईमानदार नेता अन्ना हजारे ने उठाया और देश में परिवर्तन की लहर पैदा की। इस परिवर्तन की लहर के चलते कांग्रेस सत्ता से हटाई गई और पीएम मोदी के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार बनी जैसी सरकार बरसों से जनता चाहती थी लेकिन वह बन नहीं पाती थी, वह गिर जाती थी या गिरा दी जाती थे। अन्ना हजारे के आंदोलन के चलते बहुत सारे नेता एकत्र हुए और अन्ना हजारे के न चाहने पर भी आम आदमी पार्टी के रूप में एक राजनीतिक दल बनाया गया। आम आदमी पार्टी को सही मायने में अच्छे नेताओं ने मिलकर बनाया था। इसके सारे अच्छे नेताओं को एक एक कर अरविंद केजरीवाल ने पार्टी से निकालकर या पार्टी छोड़ने को मजबूर कर आप पर कब्जा कर लिया। जब किसी पार्टी पर एक नेता या कुछ नेताओं का कब्जा हो जाता है तो वही होता है जो आप में हो रहा है। या तो नेता पार्टी के नेताओं को पार्टी से निकालता है या पार्टी के नेता खुद ही पार्टी छोड़कर चले जाते हैं। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस हैं, कांग्रेस में एक परिवार का कब्जा है इसलिए कई बड़े नेता पार्टी छोड़ने को मजबूर कर दिये जाते हैं और शरद पवार व ममता बैनर्जी जैसे लोग कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बना लेते हैं। जब भी किसी राजनीतिक पर एक नेता या कुछ नेताओं का कब्जा हो जाता है वह चाहते हैं कि लोग वही करें जो वह चाहते हैं। वह वही करें जो वह कहते हैं, वह वही कहें जो वह कहने को कहते हैं। पार्टी पर कब्जा कर खुद को सबसे शक्तिशाली नेता समझने वाले लोग भूल जाते हैं कि पार्टी तब ही मजबूत होती है जब उसमें बहुत सारे मजबूत नेता होते है। अरविंद केजरीवाल बातें बहुत बड़ी बड़ी करते हैं लेकिन हकीकत में वह दूसरे परिवारवादी दलो के नेताओं की तरह ही है यानी पार्टी के लोग वही वहीं करें जो मैं करने को कहता हूं। मैं मोदी व भाजपा का विरोध कर रहा हुं सबको भाजपा व मोदी को विरोध करना है और सिर्फयही करना है। किसी भी पार्टी में जो समझदार नेता होते हैं वह तानाशाही सहन नहीं कर पाते हैं। राघव चड्ढा आप के ऐसे नेता हैं जिनकी अपनी छवि जनता के मुद्दे उठाने की हैं और उन्होंने संसद के पिछले एक दो सत्र में जनता के मुद्दे उठाए और उनकी देश में वाहवाही भी हुए कि वह आप के दूसरे नेताओं जैसे नहीं है,वह जनता के नेता है, जनता के मुद्दे उठाते हैं। ऐसी छवि आप के किसी नेता को बने यह केजरीवाल को पसंद आ ही नहीं सकता था क्योंकि केजरीवाल को वहम है कि आप में वही एक नेता ऐसे हैं जो जनता के मुद्दे उठाता है।

> आम आदमी पार्टी को सही मायने में अच्छे नेताओं ने मिलकर बनाया था। इसके सारे अच्छे नेताओं को एक एक कर अरविंद केजरीवाल ने पार्टी से निकालकर या पार्टी छोड़ने को मजबूर कर आप पर कब्जा कर लिया। जब किसी पार्टी पर एक नेता या कुछ नेताओं का कब्जा हो जाता है तो वही होता है जो आप में हो रहा है। या तो नेता पार्टी के नेताओं को पार्टी से निकालता है या पार्टी के नेता खुद ही पार्टी छोड़कर चले जाते हैं।

राघव चड्ढा से आप मे रहते हुए यह गलती हो गई कि उन्होंने खुद को केजरीवाल से बेहतर नेता बताने की कोशिश की और उनको ऐसा नेता माना गया तो केजरीवाल को लगा होगा कि यह तो मेरी बराबरी कर रहा है यानी जनता का नेता बनने की कोशिश कर रहा है। इसलिए राघव चड्डा को राज्यसभा में पहले पार्टी के उपनेता पद से हटाया गया और बता दिया गया कि पार्टी में अब उनकी वह जगह नहीं है जो अब तक थी। इसके बाद केजरीवाल का अगला कदम होता कि उनको किसी बहाने से पार्टी से निकाल दिया जाता। इससे पहेल की केजरीवाल राघव चड्ढा को पार्टी से निकालते राघव चड्डा ने केजरीवाल को ऐसा सबक सिखाया है जो और कोई नेता नहीं सिखा पाया। राघव चड्ढा आप के छह राज्यसभा सांसदों के साथ अलग होकर भाजपा में शामिल हो गए। राघव चड्ढा पार्टी से अलग हो जाते यह केजरीवाल के लिए छोडा झटका होता क्योंकि वह उनको खुद ही देरसबेर पार्टी से निकालते ही क्योंकि जो कोई नेता भी खुद को केजरीवाल से बेहतर बताने या जताने को कोशिश करता है, केजरीवाल उसे पार्टी में रहने नहीं देते हैं। राघव चड्डा खुद तो भाजपा में गए और साथ में छह और लोगों को भी ले गए। यानी दिल्ली पंजाब में भाजपा को ऐसे नेताओं की जरूरत थी जो केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली,पंजाब में कुछ बोले तो लोगों को यह लगे कि वह सच कह रहे है। दल्ली से केजरीवाल को उखाड़ने के बाद उनकी जड़े पंजाब मे खोदी जाएंगी और इस काम में राघव चड्ढा आदि नेताओं का उपयोग किया जाएगा।

पोषण निगरानी ऐपः कुपोषण के समाधान के लिए डेटा का उपयोग

हममें से कई लोग अपने डॉक्टरों को इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड में जानकारी दर्ज करते हुए देखते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ये डेटा समय के साथ हमारे स्वास्थ्य की निगरानी करने में मदद करेंगे, जोखिमों की शुरुआत में ही पहचान कर लेंगे और समय पर कार्रवाई को निर्देशित करेंगे। डिजिटल प्रणालियाँ केवल डेटा संग्रह के कारण ही नहीं, बल्कि जानकारी को निर्णय और बेहतर देखभाल में बदलने में मदद करने की वजह से सबसे बेहतर काम करती हैं।

महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2021 में लॉन्च किए जाने के बाद, पोषण निगरानी ऐप ने पोषण सेवा अदायगी डेटा को अधिक कार्रवाई-योग्य बनाने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य केवल डिजिटलीकरण करना नहीं, बल्कि बाल विकास और पोषण सेवाओं को दर्ज करने और समीक्षा करने में अधिक गंभीरता और निरंतरता लाना है।

पोषण निगरानी में नियमित रूप से एकत्र किए गए वृद्धि डेटा को अंतिम सिरे पर खड़े व्यक्ति के लिए सार्थक निर्णयों में बदलने की क्षमता है। मासिक वृद्धि निगरानी—यदि सही ढंग से मापी जाए और लगातार रिकॉर्ड की जाए—तो जोखिम के शुरुआती संकेत प्रदान कर सकती है। एक एकल, निरंतर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, वृद्धि रुझानों को पूरक पोषण उपायों से जोडने् में मदद कर सकता है, जैसे घर ले जाने वाला राशन, देखभाल करने वालों का परामर्श और गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करना आदि।

इस दिशा में आगे बढने् के लिए, हमें डैशबोर्ड से निर्णय की ओर और गणना से देखभाल की ओर बदलाव करने की आवश्यकता है। अंतर्निहित संकेत, सरल चेकलिस्ट और चेतावनी; आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कमजोर या गंभीर कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए बाद की कार्रवाई करने में मदद कर सकती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा आरसीएच 2.0 पोर्टल के डेटा के साथ एकीकरण, समन्वय की साथ की गयी घर की यात्रा के जरिये रेफरल फॉलो-अप को और भी मजबूत कर सकता है।

वर्तमान में, एकत्रित वृद्धि डेटा एक महत्वपूर्ण शुरुआती बिंदु प्रदान करता है। मापन प्रथाओं और प्रणाली समर्थन में सुधारों के साथ, यह समय पर निर्णय लेने में भरोसेमंद जानकारी प्रदान कर सकता है। सटीक निर्णय मूलभूत चीज़ों को ठीक करने पर निर्भर करते हैं—भरोसेमंद मापन, सही तकनीकें और कार्यात्मक उपकरण। यदि किसी बच्चे की ऊँचाई या वजन एक महीने में असामान्य रूप से बदलता है, तो प्रणाली को सत्यापन या पुनः मापन का संकेत देना चाहिए। ऐप में शामिल छोटे माइक्रो-वीडियो देखभाल के स्थल पर वजन पैमाने और लंबाई बोर्ड के सही उपयोग को सुदृढ़ कर सकते हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में माप-संकेत वाले और कार्यात्मक उपकरण मौजूद हों। ये मूलभूत बातें वृद्धि निगरानी डेटा की उपयोगिता को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं। पोषण निगरानी डेटा का विश्लेषण डैशबोर्ड से निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव का भी समर्थन कर सकता है। सबसे पहले, हमें पता होना चाहिए कि कुपोषण की सबसे अधिक संभावना कब होती है—किस उम्र में और वर्ष के किन महीनों में। क्या यह जन्म के समय होता है? या क्या 0 से 3 महीने या 3 से 6 महीने महत्वपूर्ण हैं, जब माताओं को केवल स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है? या यह 6 महीने से 1 साल के दौरान होता है, जब पर्याप्त, उचित और सुरक्षित पूरक आहार की आवश्यकता होती है?

पोषण निगरानी डेटा के विश्लेषण से हमें उन बच्चों के बारे में और ज़्यादा जानने में भी मदद मिल सकती है जो कुपोषण से ठीक हो जाते हैं। क्या कुछ खास ज़िलों के बच्चों में ठीक होने की संभावना ज़्यादा होती है? क्या खरीफ फसल की कटाई वाले महीनों के दौरान बच्चों के ठीक होने की संभावना अधिक होती है? इसी तरह, ऐसे विश्लेषण हमें उन बच्चों के बारे में और भी बहुत कुछ बता सकते हैं जो अपने पूरे बचपन के दौरान बार-बार या लगातार कुपोषण का शिकार होते रहते हैं। क्या ये वे बच्चे हैं, जो जन्म के समय से ही कुपोषण के शिकार थे और बाद में भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए? क्या ये वे बच्चे हैं, जिन्हें घर ले जाने वाला राशन नियमित रूप से नहीं मिल रहा है? इस तरह की जानकारी होने पर, स्थानीय स्तर पर पोषण सेवा अदायगी को बेहतर बनाया जा सकता है।

डेटा पर भरोसा बढ़ाना, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के कार्यभार में कमी लाने के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। प्रणाली में विश्वास बढने् के साथ, अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्राथमिक रिकॉर्ड के रूप में ऐप का उपयोग करने की शुरुआत कर रहे हैं। हालांकि, कई जगहों पर, संचार-संपर्क की समस्याओं या अनुपालन आवश्यकताओं के कारण डिजिटल प्रविष्टि के साथ-साथ कागजी रजिस्टर भी रखे जाते हैं। ऑफलाइन कार्यक्षमता को मजबूत करना, डेटा की विश्वसनीयता में सुधार करना और डिजिटल-प्रथम कार्यप्रवाह पर स्पष्टता प्रदान करना, सेवा स्थल पर डेटा प्रविष्टि की ओर बदलाव को गति देने और दोहरी रिपोर्टिंग की आवश्यकता को कम करने में मदद कर सकता है। प्रणाली को परिष्कृत करने में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को शामिल करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि ऐप उनके काम में सहायक हो।

पोषण निगरानी ऐप समय पर और सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करने वाला एक भरोसेमंद उपकरण है। इसकी असली ताकत जोखिम की जल्द पहचान करने, तेज़ी से बाद की कार्रवाई करने और पोषण सेवाओं के बेहतर तालमेल को सक्षम बनाने में है। आखिरी छोर की ज़मीनी हकीकतों को ध्यान में रखकर बनाया गया और डेटा की गुणवत्ता व इसके इस्तेमाल में हुए लगातार सुधारों से और मज़बूत बनाया गया पोषण निगरानी ऐप, सिर्फ़ एक निगरानी उपकरण ही नहीं, बल्कि पोषण सेवा अदायगी को मज़बूत बनाने का एक सार्थक उपाय भी है।

रिश्तों में बेवजह की मदद एहसान नहीं, अहसास होती है

एन. रघुरामन

इस रविवार को जरा सोचिए कि कितनी बार मां ने अपनी दोस्त के हाथों आपका पसंदीदा अचार भेजने की पेशकश की होगी? आपको मना करने का अपना तर्क भी याद होगा, 'मां, मैं यहां इसे शिपिंग खर्च से भी सस्ते में खरीद सकता हूं। और प्लीज, अपनी दोस्त को मेरे ऑफिस मत भेजा करो, वे पूरा माहौल स्कैन करती हैं।' यदि आपने मां का चेहरा देखा होता तो उनकी चमक कम होती दिखती। फोन रखने पर भी वे उदास रहती हैं। धीरे से कहती हैं, 'बहुत बदल गया।' फिर अपने आराध्य से आपको सेहतमंद रखने की प्रार्थना करती हैं। वह जार किनारे रख कर उम्मीद करती हैं कि किसी चमत्कार से यह आप तक पहुंच जाए।

पिताजी आकर कहते हैं, 'फिर मना कर दिया? मुंबई में सब कुछ मिलता है।' वह साड़ी से मुंह पोंछते हुए खराब तेल और कीटनाशकों की बात कहती हैं। किसी को अहसास नहीं होता कि वे आंसू भी पोंछ रही थीं। आपको अंदाजा नहीं कि उस इनकार की कीमत क्या है। उनके इस भाव पर इनकार से आप महज खाना ही नहीं, बल्कि उनकी अहमियत को भी ठुकराते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी जरूरत नहीं रही, वह दूर हो गई हैं। उनके लिए भावनाओं की यह दूरी किलोमीटरों की दूरी से कहीं ज्यादा है।

उन्हें वो दो दशक याद आते हैं, जब आप उनके बिना खाना नहीं खाते थे। वो बच्चा उनका खाना मांगता था, आज का आदमी बोलता है 'मैं मैनेज कर लूंगा'। वह अचार आपके कहने पर नहीं, बल्कि अपनी अहमियत के अहसास के लिए भेजती हैं। और आपका प्रत्येक 'मैं मैनेज कर लूंगा' इस अहसास को कम करता है।

बात ऑर्गेनिक नींबू की नहीं, बल्कि आपके जीवन में उनकी भूमिका की है। अपनी जो दोस्त वो भेज रही थीं, जिसे आप नपसंद करते हैं उनके लिए महाभारत की 'संजय' हैं। वही उन्हें सटीकता से वो सब बताएंगी, जो मां आपके बारे में जानना चाहती हैं। शायद वो ये भी पूछ लें कि 'वहां उसके लिए कोई अच्छी लड़की दिखी क्या?'

मैंने यह बात देर से समझी, तो मेरी गलती मत दोहराइए। छोटी-छोटी मदद स्वीकार करना आपकी जरूरतों से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि प्रियजनों को उनकी अहमियत का अहसास कराना है। मां आपके ऑफिस या डेटिंग रिजेक्शन के तनाव कम नहीं कर सकतीं, लेकिन वह जानती हैं कि उनका खाना आपको थोड़ी राहत जरूर देगा। इसलिए, उन्हें यह करने दीजिए। जब मेरी मां नहीं रहीं, तो मुझे वो अचार वाले कॉल और वो स्वाद बहुत याद आता था। वह ऐसी आत्मा थीं, जो देना ही जानती थीं चाहे पापड़ हो या अचार, लेकिन कभी एक साड़ी तक नहीं मांगी। मैंने पिताजी के साथ यह गलती नहीं दोहराई।

ऊंची तनख्वाह के बावजूद वे मुझे यह कहते हुए पैसे देते कि 'काम आएंगे।' मैंने भी कभी मना नहीं किया, ताकि उन्हें लगे कि अब भी मेरे खर्चों में उनकी भूमिका है। 2008 में मैं नासिक में घर खरीदने वाला था तो उन्होंने अपना अकाउंट खाली करके मुझे 71 हजार रुपए दिए। भले वो राशि कम थी, लेकिन मेरे लिए 'अक्षयपात्र' बन गई। मुझे घर खरीदने के लिए उधार नहीं लेना पड़ा। आज भी जब हम उस घर को बेचने की सोचते हैं तो उनका प्यार और बुजुर्ग के तौर पर उनकी भूमिका हमें रोकती है। मानो, वह आसपास ही हैं।

यह बात बेंजामिन फ्रैंकलिन के पेनसिल्वेनिया लेजिस्लेचर का कार्यकाल (1785-88) याद दिलाती है। एक कट्टर विरोधी का दिल जीतने के लिए उन्होंने किसी मदद की पेशकश नहीं की, जो वे कर सकते थे। इसके बजाय उससे एक दुर्लभ किताब मांगी। विरोधी मान गया और दोनों जीवनभर के दोस्त बन गए। यही इंसानी मनोविज्ञान है। जब लोग आपके लिए कुछ करते हैं, तो वे खुद को समझा लेते हैं कि उन्हें आप पसंद हैं।

फंडा यह है कि एहसान के लिए नहीं, बल्कि रिश्ते में प्रेम और परवाह का अहसास बनाए रखने के लिए अपनों की मदद को स्वीकार करना चाहिए।

बंगाल विधानसभा चुनाव में द्वितीय चरण

अजय दीक्षित

कांग्रेस के लोकसभा में नेता राहुल गांधी ने कहा है कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धर्म आधारित ध्रुवीकरण कर भारतीय जनता को को बंगाल में घुसने का मौका दिया है।

बंकिम चंद्र चटर्जी, रविंद्र नाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, और विवेकानंद एवम आनंद मठ की धरती।

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को उन 144 सीटों पर विधानसभा चुनाव है जिन पर 2021 में भारतीय जनता पार्टी 18 सीट जीती थी जबकि 59 अन्य सीट पर 23अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में जीती थी इस प्रकार कुल 77 विधायक चुने गए थे।

ये सभी सीटें उत्तरी बंगाल और मध्य बंगाल में है ये सीटें दार्जलिंग, सिलीगुड़ी, न्यू जलपाईगुड़ी, और असम से लगी सीमा, मध्य बंगाल में बर्धमान, मालदा, वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना में है ।

29 अप्रैल को चुनाव होंगे वे कोलकाता, मुर्शिदाबाद, मालदा, 24 परगना, प्रेसीडेंसी और बिहार से लगे सीमा पर है। कुल 294 सीट में से 142 सीट पर ममता बनर्जी के गढ़ में 29 अप्रैल को मतदान है । भारतीय जनता पार्टी 23 अप्रैल की 152 में से अगर 95 सीट जीत गई तो उसे बहुमत मिल सकता है।

अब राजनीतिक अकड़ेबाज अभिताभ तिवारी कहते है । 2021 की तुलना में भारतीय जनता पार्टी का हिंदू वोट कंसोलिडेटेड हुआ है। 2021 में भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच 40 ,48 प्रतिशत का फासला था । हिंदुओं में भाजपा को एससी,एसटी,ओबीसी, में अच्छा समर्थन था लेकिन उसे अपर कास्ट हिंदुओं का समर्थन नहीं मिला। क्योंकि ये भद्र लोक सेकुलर है और मुस्लिम से मिलकर तुड़मूल कांग्रेस का वोटर और 20 फीसदी के आसपास है लेकिन इस बार ऐसा लगता है कि इसमें से 10, फीसदी यानि आधा वोट भारतीय जनता पार्टी की ओर जा सकता है। कुल वोट भाजपा के पक्ष 45 फीसदी वोट हो सकता है। ममता बनर्जी का कोर वोट महिलाओं में भी भाजपा ने सेंध मारी की है ।

लेकिन मुस्लिम वोट धुव्रीकरण हो सकता है और बजाय कांग्रेस, सीपीएम, एआईएमआईएम, को मिलने सीधा भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ तुड़मूल कांग्रेस को जा सकता है। ममता बनर्जी ने अधिकतर सीट पर सभाएं की है। अभिषेक बनर्जी भी खूब रैली कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुबेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, लॉकेट चटर्जी, मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हेमंत शर्मा अनेक लोग इस चुनाव में पूरी ताकत झोंके है।बंगाल के गार्जियन के कोलकाता स्थित ब्यूरो प्रमुख आसिफ मुस्तफा कहते हैं कि ऐसा चुनाव उन्होंने जीवन में नहीं देखा है। भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी के समक्ष जैसे तलवार उथली है।

चुनाव आयोग ने 2 लाख पेरा मिलिट्री फोर्स लगाया है।

प्रत्येक बूथ पर सीसीटीवी कैमरा और उन्हें इंटरनेट से जोड़ा गया है इनकी ऑब्जर्वेशन के लिए प्रत्येक 100 बूथ पर एसडीएम स्तर का अधिकारी तैनात किया गया है।राज्य के सभी जिलों के कलेक्टर, आयुक्त, राज्य पुलिस डायरेक्टर जनरल चुनाव आयोग ने तैनात किए हैं।

वोटिंग के दिन या प्रचार बंद होने से मतदान पूरा होने तक मोटरसाइकिल,बस,अन्य बहन नहीं चल सकेंगे।

6 अप्रैल को जब प्रणब राव ने एक्सिस माई इंडिया के लिए सर्वे किया था तब 140 से160 सीट तुड़मूल कांग्रेस को 120 से 140 सीट भारतीय जनता पार्टी को मिलती दिख रही थी लेकिन 20 अप्रैल का सर्वे बराबर पर आ पहुंचा है।

जयंत घोषाल कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी को प्रेसीडेंसी में बढ़त हासिल हुई है।

लेकिन 15 वर्ष की सत्ता विरोधी लहर भी ममता बनर्जी का खेल बिगाड़ सकती है।

लोगो में भ्रष्टाचार, भाई भतीजा बाद,सड़क में गड्ढे, केंद्रीय योजनाओं का लाभ न मिलना , बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा, चिकित्सा, जैसे मुद्दे है। स्वप्न दास गुप्ता कहते कि भारतीय जनता पार्टी के साथ भी कमियां हैं कि प्रदेश भाजपा में गुटबाजी है। और संगठन ,बूथ पर कमजोर लेकीन है । आनंद बाजार पत्रिका में आज एक लेख छपा है जिसमें कहा गया है कि अब बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का उदय संभव है क्योंकि तुड़मूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में अपनी पार्टी के प्रति नाराजगी है।तुड़मूल के असामाजिक तत्वों ने सुबेदु सरकार को दराज पर में हमला किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नदिया जिले की सभा में व्यंग किया कि झाल पूरी उनने खाई और मिर्ची तुड़मूल कांग्रेस को लग गई।

सुर्खियों की सरताज झालमुरी और मतमूढ़ि

किसी कुशल अदाकारा की तरह नैन मटकाते बोली, 'देखो वोटर लाल! हर चीज दो तरह की होती है। एक दिखाने वाली, दूसरे खाने वाली। तुम्हें कौन-सी चाहिए? बंधुओ! बाजारी जीव होने के चलते इन दिनों मैं बाजार-बाजार मीडिया चर्चित झालमुरी को वैसे ही ढूंढ़ रहा हूं जैसे कस्तूरी मृग वन-वन भटकता कस्तूरी ढूंढ़ता रहता है, पर एक झालमुरी है कि न वह मुझे बाजार में कहीं मिल रही है, न उसको बनाने वाला मसाला। दोनों बाजार से पता नहीं कहां गायब हो गए हैं? मसाले के बिना कुछ भी स्वाद नहीं बनता। न चाय, न चुनाव! दोनों को मसाला ही जायकेदार बनाता है।

जिन खोजा तिन पाइया, गहरे पानी पैठ! आखिर बड़ी दौड़धूप के बाद झालमुरी मृग को झालमुरीश्री मिल ही गई। वाह! क्या इतराती हुई! क्या बलखाती हुई! उसके अंग-अंग से ललचाता स्वाद टपक रहा था। हिंदी सिनेमा की किसी हिट नायिका की तरह। जिस तरह सिने जगत में किसी को भी हिट होते देर नहीं लगती उसी तरह चुनावी दिनों में किसी भी चीज को हिट होते देर नहीं लगती।

'कौन-सी? पेट भरने वाली या चुनाव जीतने वाली?' उसने मीडिया वालों की तरह मुझसे प्रश्न किया तो मैं सन्नाटे में रह गया। फिर किसी कुशल अदाकारा की तरह नैन मटकाते बोली, 'देखो वोटर लाल! हर चीज दो तरह की होती है। एक दिखाने वाली, दूसरे खाने वाली। तुम्हें कौन-सी चाहिए?'

'वोटर को कहां चुनाव सों काम! मैं तो पेट भरने वाली चीजों पर ही विश्वास करता हूं! जो जनता का पेट भर दे उसके लिए तो वही अमृत।' मैंने कड़वा सच कहा तो उसे पता नहीं क्यों मेरे देशभक्ति के पसीने से देशद्रोह की बू आई और मेरी तरफसे यों मुंह फेर लिया जैसे किसी की बड़े समय तक प्रेमिका रही किसी और से विवाह हो जाने के बाद सरे बाजार उससे मुंह फेर लेती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सेक्टर-6 में अनफिट ब्लॉक को तोड़ने का काम शुरू

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित अनफिट घोषित ब्लॉकों के ध्वस्तीकरण कार्य दोबारा से शुरू किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रवर्तन टीम द्वारा अवैध कब्जों को हटाते हुए संबंधित ब्लॉकों को खाली कराया जा रहा है, वहीं नगर अभियांत्रिकी विभाग द्वारा चरणबद्ध रूप से आंशिक एवं पूर्ण ध्वस्तीकरण कार्य भी किया जा रहा है। सेक्टर-6, एवेन्यू-बी स्थित ब्लॉक संख्या 6 और 8 में ध्वस्तीकरण कार्य के दौरान एक लीजधारी को वैकल्पिक आवासीय व्यवस्था का लाभ उठाने के संबंध में पुनः स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है। विभाग द्वारा सभी पात्र लीज एवं लाइसेंस धारकों को नियमानुसार उपलब्ध कराई जा रही वैकल्पिक सुविधा का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार के निर्देशानुसार महाप्रबंधक प्रभारी नगर सेवाएं एबी श्रीनिवास के मार्गदर्शन एवं सहायक महाप्रबंधक प्रवर्तन रेमी थॉमस के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है।

कला मंदिर में नृत्यनाटिका का मंचन

भिलाई। भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली कथक के बदलते स्वरूप पर एक शानदार नृत्य नाटिका 'आहार्यम' का मंचन रविवार 26 अप्रैल को रात 8 बजे से महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में होने जा रहा है। आयोजक कृष्ण प्रिया कथक केंद्र की संचालिका उपासना तिवारी ने बताया कि इस नृत्य नाटिका में दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। उन्होंने बताया कि सभी भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में 'आहार्यम' अभिनय का एक प्रमुख अंग है, जिसका अर्थ सजावट या वेशभूषा से है। यह नर्तक के शारीरिक रूप, वेशभूषा, श्रृंगार और आभूषणों के उपयोग से मंच पर चरित्र को जीवंत करने की कला है। उन्होंने बताया कि 'आहार्यम' के माध्यम से उनके केंद्र के कलाकार कथक नृत्य विधा की ऐतिहासिक यात्रा को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। आज के आधुनिक काल तक कथक में समय-समय पर आए बदलाव को दर्शाया जाएगा।

नन्हे मोहरों की बिसात पर शुरू हुई बुद्धिमत्ता की जंग: जिला स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप का भव्य आगाज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग/भिलाई। जिला शतरंज संघ, दुर्ग द्वारा मनसा कॉलेज ऑफएजुकेशन, भिलाई के विशेष सहयोग से दो दिवसीय जिला स्तरीय अंडर-7 एवं अंडर-11 शतरंज चैंपियनशिप का शनिवार को गरिमामय शुभारंभ हुआ। शतरंज की बिसात पर अपनी चालों से लोहा मनवाने के लिए जिले भर के नन्हे खिलाड़ी उत्साह के साथ जुटे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाजसेवी मुख्य अतिथि श्री कैलाश जैन बरमेचा और अध्यक्ष डॉ. अनुराग बख्शी (डेंटल स्पेशलिस्ट) ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शतरंज संघ के सचिव तुलसी सोनी एवं इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन उपस्थित रहे। ऐसे आयोजनों के माध्यम से ही बच्चों के भीतर छिपी हुई नैसर्गिक प्रतिभा निखरकर सामने आती है। खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक अनुशासन भी सिखाते हैं। जिला शतरंज संघ का यह प्रयास सराहनीय है और मैं खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन देता हूँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अनुराग बख्शी ने शतरंज को 'दिमाग की कसरत' बताते हुए एकाग्रता बढ़ाने में इसे सर्वोत्तम खेल बताया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि कैलाश जैन बरमेचा एवं डॉ अनुराग बख्शी ने शतरंज की चाल चलकर स्पर्धा का उद्घाटन किया। स्पर्धा का विवरण: 55 खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि:कुल खिलाड़ी: 55 वर्ग: अंडर-7 (20 खिलाड़ी) एवं अंडर-11 (35 खिलाड़ी)। चयन प्रक्रिया: दोनों वर्गों से शीर्ष 2 बालक एवं 2 बालिकाओं का चयन आगामी राज्य स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने में सचिव तुलसी सोनी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि मंच संचालन ईश्वर सिंह राजपूत और आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने किया। इस दौरान अनिल शर्मा, मोरध्वज चंद्राकर, दिव्यांशु उपाध्याय, टिकेश्वर साहू, छाया नोर्गे, संगीता, जिज्ञासा, मोनिका और अंजली टोप्पो सहित संघ के अनेक पदाधिकारी सक्रिय रहे। स्पर्धा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन (चीफआर्बिटर), फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा और सीनियर नेशनल आर्बिटर दिव्यांशु उपाध्याय अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

टाउनशिप में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु रणनीतिक लोड प्रबंधन उपाय लागू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग द्वारा बढ़ते तापमान के मद्देनज़र टाउनशिप में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रणनीतिक लोड प्रबंधन उपाय लागू किए गए हैं। इस दिशा में एक सक्रिय पहल करते हुए विभाग द्वारा बड़े सार्वजनिक मैदानों में नियंत्रित विद्युत आपूर्ति जैसे कदम उठाए गए हैं, जिससे समग्र विद्युत भार का संतुलन बनाए रखा जा सके। इस लोड अनुकूलन रणनीति के अंतर्गत उन बड़े मैदानों की विद्युत आपूर्ति को विनियमित किया गया है, जिनका उपयोग मुख्यतः सार्वजनिक अथवा मनोरंजनात्मक गतिविधियों के लिए किया जाता है। उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा निर्मित इन अधिकांश मैदानों से विद्युत शुल्क प्राप्त नहीं होता है, जिसकी जानकारी संबंधित पक्षों को पूर्व में ही अवगत करा दी गई है। तकनीकी दृष्टि से टाउन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (टीडीएस-1 एवं टीडीएस-2) की संयुक्त स्थापित क्षमता 42.8 मेगावाट है, जिसमें से लगभग 6 मेगावाट विद्युत आपूर्ति अस्पताल, 30 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) सेवाओं तथा निर्माण कार्यों जैसे आवश्यक सेवाओं हेतु आरक्षित है। इस प्रकार टाउनशिप के लिए प्रभावी उपलब्ध विद्युत क्षमता लगभग 42 मेगावाट के आसपास रहती है।

हालांकि, ट्रांसमिशन लॉस, जो मुख्यतः परिवेशीय तापमान पर निर्भर करता है, सामान्यतः 7 से 10 प्रतिशत के बीच रहता है। ग्रीष्मकाल में एयर कंडीशनर एवं कूलर के बढ़ते उपयोग के कारण कंडक्टर का प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे यह हानि लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। औसत रूप से 8 प्रतिशत लाइन लॉस तथा लगभग 2 प्रतिशत ट्रांसफॉर्मर कोर लॉस को ध्यान में रखते हुए टाउनशिप के लिए शुद्ध उपलब्ध विद्युत क्षमता घटकर लगभग 38 मेगावाट रह जाती है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि पीक लोड को 34 मेगावाट के आसपास बनाए रखा जाए।

आयुक्त ने किया सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 में आज सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल ने क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एसएलआरएम सेंटर का भी अवलोकन किया गया, जहां कचरे के प्रबंधन, पृथक्करण और निष्पादन की प्रक्रिया को देखा गया।अधिकारियों ने सेंटर की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए हर स्तर पर सतर्कता और जिम्मेदारी जरूरी है। इसी दौरान आयुक्त अग्रवाल ने सिकोला से उरला की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित बड़ी नाली में कचरा जमा पाया गया, जिस पर संबंधित सफाई सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई गई। अधिकारियों ने तत्काल नाली की सफाई कर सुचारू जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे रिक्त स्थानों पर धूल उड़ने की समस्या को देखते हुए वहां पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि इन स्थानों को व्यवस्थित कर धूल से मुक्त किया जाए, जिससे पर्यावरण स्वच्छ रहे और नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण मिल सके। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे इस तरह के नियमित निरीक्षण से शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बजरंग दल की पहल लाई रंग, निजी स्कूलों की नहीं चलेगी अब मनमानी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रदेश में निजी स्कूलों की मनमानी और अनियमितताओं के खिलाफ स्कूल शिक्षा विभाग गंभीर नजर आ रहा है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ बजरंग दल द्वारा शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के नाम दुर्ग कलेक्टर को सौंपे गए मांगपत्र को स्कूल शिक्षा विभाग ने संज्ञान में लेते हुए कई मांगों पर अपनी सहमति जताई है और प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन भी कर दिया गया है।

इस जांच टीम को छत्तीसगढ़ बजरंग दल द्वारा विद्यार्थी और पालक हितैषी 12 बिंदुओ पर मांगपत्र सौंपा गया है। मांगपत्र में अत्यधिक गर्मी के दौरान स्कूल संचालन, फीस वसूली, ड्रेस और किताबों में बदलाव, प्रोजेक्ट के नाम पर आर्थिक दबाव, वार्षिकोत्सव शुल्क, शिक्षकों को कम वेतन देने, स्कूल में प्रवेश के दौरान प्रतिवर्ष डेवलपमेंट फीस वसूली पर विरोध जताया गया है। छत्तीसगढ़ बजरंग दल के इस पहल से अब विद्यार्थियों और अभिभावकों को निजी स्कूलों की मनमानी से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। यह बातें छत्तीसगढ़ बजरंग दल के प्रदेश संयोजक रतन यादव ने शनिवार को दुर्ग में मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान छत्तीसगढ़ बजरंग दल प्रदेश अध्यक्ष गौतम जैन, प्रदेश मंत्री विकास ठाकुर, प्रदेश महाविद्यालय प्रमुख रोहित सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष चंदन राजपूत, प्रदेश सह मंत्री बबलू सिंह, विभाग संयोजक कुशल तिवारी, विभाग सहसंयोजक लक्ष्मण यादव, विभाग गौ रक्षा प्रमुख कुलेश्वर यादव, जिला अध्यक्ष रवि भारती, जिला मंत्री देवाशीष घोष, जिला संयोजक अश्मित साहनी, जिला अध्यक्ष भिलाई विनोद सिंह, नगर मंत्री सर्वजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रिंस राजपूत, नगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार मौजूद रहे। चर्चा में छत्तीसगढ़ बजरंग दल के प्रदेश संयोजक रतन यादव ने कहा कि निजी स्कूलों की मनमानी और अनियमितता के खिलाफ स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी के नाम पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थी और अभिभावक हितैषी मुद्दों को प्राथमिकता से उठाया गया था। इन मुद्दों को स्कूल शिक्षा विभाग ने गंभीरता से लिया है। जिससे अब निजी स्कूलों की मनमानी से विद्यार्थियों और अभिभावकों को निश्चित रुप से राहत मिलेगी। श्री यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से कहा कि हर वर्ष 1 अप्रैल से स्कूल शुरू कर निजी स्कूल फीस, किताब, कॉपी, ड्रेस और परिवहन शुल्क के नाम पर मोटी रकम वसूलते हैं।

अनुमान के अनुसार दुर्ग जिले में करीब 85 हजार विद्यार्थियों से लगभग 75 करोड़ रुपये तक की वसूली होती है। वहीं गर्मी बढ़ने पर विरोध के बाद ही स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए जाते हैं। किताबों के प्रकाशक बदलने और निर्धारित दुकानों से किताब खरीदने का निजी स्कूल दबाव बनाते है।

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु व्यापक तैयारियां प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आगामी नेशनल लोक अदालत को अधिकतम सफल एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में तैयारियाँ तेजी से संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में न्यायालय परिसर स्थित सभागार में विभिन्न हितधारकों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन कर रणनीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में प्रथम बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग की अध्यक्षता में जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण के साथ आयोजित की गई। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी न्यायाधीश अपने-अपने न्यायालयों में लंबित

समझौता योग्य प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित करें तथा पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से विवाद समाधान हेतु प्रेरित करें। साथ ही प्री-सीटिंग हेतु जारी नोटिसों की समयबद्ध एवं प्रभावी तामिली सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

विशेष रूप से राजीनामा योग्य सिविल एवं आपराधिक प्रकरण, बैंक, बीमा, मोटर दुर्घटना दावा, धारा 138 एन.आई. एक्ट, विद्युत एवं अन्य प्री-लिटिगेशन प्रकरणों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निस्तारण हेतु संवेदनशील, संवादात्मक एवं सकारात्मक काउंसलिंग दृष्टिकोण अपनाया जाए तथा अधिवक्ताओं एवं संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर अधिकतम प्रकरणों के निराकरण को सुनिश्चित किया जाए।

तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु द्वितीय बैठक का आयोजन मोटर यान दुर्घटना दावा प्रकरणों से संबंधित हितधारकों के साथ किया गया, जिसमें मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के न्यायाधीशगण, आवेदक एवं बीमा कंपनियों के अधिवक्तागण तथा बीमा कंपनियों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निस्तारण हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान बीमा कंपनियों के अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि वे लोक अदालत के दिन सक्षम प्राधिकारी के रूप में उपस्थित रहकर व्यवहारिक एवं न्यायोचित समझौता प्रस्ताव प्रस्तुत करें। साथ ही अधिवक्तागण से अपेक्षा की गई कि वे पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराते हुए समझौता प्रक्रिया में सक्रिय एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।

इसी क्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, दुर्ग द्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेटों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें लोक अदालत की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में सीजेएम द्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, विशेषकर धारा 138 एन.आई. एक्ट एवं अन्य राजीनामा योग्य मामलों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर लोक अदालत हेतु तैयार करें। साथ ही पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से त्वरित एवं सुलभ न्याय के लाभों से अवगत कराते हुए उन्हें समझौते के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया गया।

हेमचंद विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का गरिमापूर्ण आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में 11 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर प्रो एस पी गौतम रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वि वि के पूर्व कुलपति डॉ अरुणा पलटा उपस्थित रही। कार्यक्रम के अध्यक्ष वि वि के कुलपति प्रो डॉ संजय तिवारी और संयोजक कुलसचिव, डॉ भूपेंद्र कुलदीप थे।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत माता सरस्वती की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात स्वागत गीत अपोलो महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। भारतीय परंपरा अनुरूप अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत की इस कड़ी में सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ एस पी गौतम का स्वागत, वि वि के कुलपति प्रो डॉ संजय तिवारी ने किया। उद्बोधन श्रंखला में सर्वप्रथम डॉ अरुणा पलटा ने उद्बोधन देते हुए कहा कि वि वि ने अपनी स्थापना के बाद बहुत से सोपान चढ़े हैं और आगे भी अनेक सोपान तय करने वाले हैं। साथ ही उन्होंने वि वि को डिजिटल वि वि बनाने के लिए भी शुभकामनाएं दी। डॉ गौतम ने अपने वक्तव्य में बताया कि वि वि की परिभाषा क्या होनी चाहिए। उन्होंने आगे बात रखते हुए बताया कि विश्व की समस्याओं का समाधान करना वि वि का दायित्व है। अज्ञानता को खत्म करने के लिए मन में श्रेष्ठतम कल्पना होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ज्ञान तो सभी के पास है लेकिन सीमित है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए संदेश दिया कि चेतना की स्थापना अपरिहार्य है। वि वि के कुलपति ने कहा कि आज का दिन यह याद करना चाहिए कि वि वि क्या था, क्या है और आगे क्या होगा। हमारे वि वि में कर्मचारी कम लेकिन उनका लक्ष्य बड़ा है। उन्होंने विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के योगदान को सराहा और कहा कि वि वि को अपनी बुद्धिजीविता से आगे बढ़ाया। वि वि की स्थापना से त्रश्वक्र का अनुपात बढ़ा है। उन्होंने वि वि को डिजिटल वि वि बनाने का भी संकल्प लिया। वर्तमान में ष्ठश्वश्वक्क्षश्वष्ट॥ में कार्य करने को आवश्यकता पर बल दिया और बताया कि डिमांड के अनुसार पूर्ति होने पर ही हम प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।

सर्वप्रथम शासकीय महाविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय के रूप में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग, निजी महाविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय के रूप में भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई नगर को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में डॉ जगजीत कौर सलूजा और उज्जवला सूपे को सम्मानित किया गया। सम्मान के इस क्रम में सर्वश्रेष्ठ खेल प्रेरक के रूप में डॉ अरुण चौधरी और डॉ वीरेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंत में धन्यवाद ज्ञापन वि वि कुलसचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप ने दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ नीलू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण के द्वारा किया गया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय से जापान के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है, जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम ने की गुणवत्ता जांच,स्वच्छता में कमी पर दुकान को नोटिस

रायपुर। खाद्य सुरक्षा टीम ने भाटापारा एवं दामाखेड़ा में जांच अभियान चलाया। दामाखेड़ा में साहू होटल एवं स्वीट्स में खाद्य पदार्थ ढंककर नही रखने व फ्रिज में गन्दगी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 55 के तहत नोटिस जारी किया गया। भाटापारा शहर के आयुष डेयरी व पटेल डेयरी दतरेंगी का औचक निरिक्षण किया।पटेल डेयरी से मलाई क्रीम का नमूना लेकर जाँच हेतु राज्य खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। पूर्व महीनो में जॉच हेतु लिए गये नमूनों में अविनाश पोहा इंडस्ट्रीज भाटापारा के पैक्ड पोहा व शीतल इंडस्ट्रीज भाटापारा के पैक्ड बेसन में पोषण संबंधी जानकारी अपूर्ण होने के कारण मिथ्याछाप घोषित किया गया है।खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के लेबलिंग व डिस्प्ले रेगुलेशन 2020 के तहत सभी पैक्ड खाद्य उत्पादों में पोषण सुचना संबंधी पूर्ण जानकारी देना अनिवार्य है।

संजीवनी बना मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप

रायपुर। सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के मिचवार निवासी आदिवासी महिला बुधरी मड़काम के लिए मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। गंभीर बीमारी से जूझ रही बुधरी की हालत लगातार बिगड़ रही थी और शुरुआती लक्षणों के आधार पर कैंसर या टीबी जैसी आशंका जताई जा रही थी। लेकिन समय रहते कैंप में हुई जांच ने स्थिति की गंभीरता को पहचान लिया और प्रशासन की तत्परता से उसे सही उपचार की दिशा में तुरंत आगे बढ़ाया गया। मरीज की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. आरके सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई और बुधरी को तत्काल एम्स रायपुर रेफर कराया गया। यह निर्णय मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ। जिला स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता ने यह सुनिश्चित किया कि दूरस्थ इलाके की यह महिला इलाज के लिए बड़े अस्पताल तक सुरक्षित और समय पर पहुंच सके। करीब एक सप्ताह की जांच के बाद बुधरी को दुर्लभ बीमारी सरकॉइडोसिस होने की पुष्टि हुई और 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 15 दिनों के इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आई। सबसे बड़ी राहत यह रही कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पूरा उपचार नि:शुल्क हुआ। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के उस संकल्प को भी साकार करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गंभीर मरीजों को रायपुर ले जाकर बेहतर इलाज दिलाया जाएगा। जीवंत उदाहरण है, जिसने एक आदिवासी महिला को नया जीवन देकर मानवता और सेवा की मिसाल कायम की है।

खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयार : अरुण साव

पहले दिन मेडल स्ट्रेटजी, केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय तथा डोपिंग एवं खेल नैतिकता पर हुई गंभीर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर आज श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में प्रारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार इस चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ खेलों के क्षेत्र में समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पूरे देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगा।

श्री साव ने बताया कि आज शिविर के पहले दिन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ देश में खेलों को नई दिशा देने पर मंथन किया गया। यह पहल न केवल नीतियों को मजबूत करेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को आगे लाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने केंद्र सरकार और राज्य सरकारें एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर शहर से नए खिलाड़ी उभरें और देश-विदेश के खेल मंचों पर अपना परचम लहराएं, यह हमारा लक्ष्य है।

26 अप्रैल तक चलने वाला यह शिविर देश में खेलों के समग्र विकास, नीति सुधार, वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को हासिल करने और भारत को खेल शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा लगातार दूसरे वर्ष इस चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है।

चिंतन शिविर के पहले दिन के प्रमुख सत्रों में 'मेडल स्ट्रेटजी खेलो इंडिया' पर गहन मंथन किया गया। विभिन्न राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर खेल प्रशिक्षकों के पोटेंशियल को विकसित करने पर सर्वसम्मति बनी। साथ ही वर्ष 2048 तक भारत को ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष 5 देशों में शामिल करने के रोडमैप पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें स्पोर्ट्स साइंस के विस्तार एवं उसके प्रभावी उपयोग को खेल विकास का महत्वपूर्ण आधार माना गया। खेल मंत्रालय द्वारा इस पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

द्वितीय सत्र 'खेलो भारत नीति ङ्क केंद्र एवं राज्य समन्वय को सुदृढ़ करना' विषय पर आयोजित हुआ। इस सत्र में विभिन्न राज्यों के बेस्ट प्रेक्टिसेस को साझा किया गया। खिलाड़ियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के प्रभावी उपयोग, प्रतिभा पहचान तथा खेल अकादमियों के मानकीकरण पर विशेष बल दिया गया। सत्र के दौरान विद्यालय स्तर पर खेलों को सशक्त बनाने के लिए शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से जोड़ने, खेल शिक्षकों की भर्ती एवं उन्हें उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने पर सहमति बनी। साथ ही खिलाड़ियों का समग्र डॉटा-बेस तैयार करने पर राज्यों एवं केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि प्रतिभाओं की सही पहचान सुनिश्चित हो सके।

इस सत्र में यह भी रेखांकित किया गया कि खिलाड़ियों को केवल नौकरी प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ समर्पित होकर खेलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अधिक अवसर, सम्मान एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं।

साथ ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसी व्यवस्था (मॉडल) विकसित की जाए, जिससे वे नौकरी प्राप्त करने के बाद भी खेल जारी रखें और अपने खेल करियर को बीच में न छोड़ें। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति विकसित करने, जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार तथा बच्चों को अधिक समय खेल गतिविधियों में देने पर भी विशेष जोर दिया गया। साथ ही खेल अधोसंरचना के निर्माण में विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई। तीसरे सत्र में डोपिंग एवं खेल नैतिकता पर गंभीर चर्चा हुई।

खेलों में प्रतिबंधित दवाईयों के उपयोग पर कड़े नियम बनाने तथा डोपिंग को अपराध की श्रेणी में लाने के विषय पर केंद्र सरकार एवं खेल मंत्रालय की सख्त नीति को दोहराया गया। इस सत्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने खेलों में सुरक्षित एवं पेशेवर वातावरण सुनिश्चित करने तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सेफगॉर्डिंग ऑफिसर्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री साय ने हज यात्रियों को वितरित किया फर्स्ट एड किटः सफल हज यात्रा के लिए दिया शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा आज राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को फर्स्टएड किट सौंपकर उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि रायगढ़ से सांसद रहने के समय से लेकर आज तक लगातार हज यात्रियों के स्वागत का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश से कुल 815 हज यात्री यात्रा पर जा रहे हैं और पहली बार स्वास्थ्य विभाग द्वारा यात्रियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया तथा मेडिकल किट भी उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने यात्रियों से देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का आग्रह करते हुए उनकी यात्रा की सफलता की कामना की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के हज यात्रियों को यह पावन अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए दुआ करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब हज यात्रा के लिए लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती और अधिक लोगों को यह अवसर मिल रहा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हुआ है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग ने भी संबोधित किया और हज यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवड़िया एवं वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज और छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की सीईओ डॉ. खुशबू उस्मान समेत समाज के प्रबुद्धजन और प्रदेश भर से आए हज यात्री मौजूद थे।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से फायदा : ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से दुबेलाल का बढ़ा मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के किसान शासन की योजनाओं का लाभ लेकर और आधुनिक खेती किसानी की तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदानी में इजाफा कर रहे हैं।

ऐसे ही महासमुन्द जिले के अंतर्गत ग्राम बम्बुरडीह के किसान दुबेलाल कोसरे ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। श्री कोसरे, बताते हैं कि पूर्व में वे पारंपरिक रूप से धान एवं अन्य फसलों की खेती करते थे। इस पारंपरिक खेती में लागत अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद उन्हें सीमित लाभ ही प्राप्त हो पाता था, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था।

वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्हें यह जानकारी प्राप्त हुई कि उद्यानिकी फसलों के माध्यम से कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन एवं अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। इस जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत ग्राफ्टेड टमाटर सीडलिंग प्रदर्शन घटक का लाभ लिया। श्री कोसरे बताते है कि योजना के तहत उन्हें 30 हजार रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने 0.40 हेक्टेयर सिंचित भूमि में आधुनिक तकनीक के माध्यम से ग्राफ्टेड टमाटर की खेती प्रारंभ की। कृषक दुबेलाल कोसरे द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली ग्राफ्टेड पौध, सिंचाई हेतु ड्रिप प्रणाली तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए मल्चिंग तकनीक का उपयोग किया गया। वे बताते हैं कि उन्नत तकनीकों के समुचित उपयोग से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 16 से 18 टन तक उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में टमाटर का औसत विक्रय मूल्य लगभग 20 रुपए प्रति किलोग्राम मिलने से उन्हें कुल लगभग 3 लाख 9 हजार रुपए का लाभ प्राप्त हुआ।

बस्तर में अब हो रहे है तेजी से निर्माण कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नक्सलमुक्त आबूझमाड़ क्षेत्र में अब निर्माण कार्य तेजी से किये जा रहें। क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, ओवरहेड टैंक, लघु सिंचाई योजना सहित अन्य अधोसंरचनाओं के कार्यो ने जोर पकड़ लिया है पिछले दिनों नक्सलमुक्त आबूझमाड़ में सीटीई की टीम ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

टीम ने नारयणपुर के हरिमार्कटोला, सड़क का निरीक्षण किया। टीम ने देखा कि निर्मित सड़कों मोटाई और चौड़ाई को सही मानक स्तर की है, इसी तरह ग्राम ओरछा ब्लाक में निर्मित शेड की निरीक्षण किया गया । जिले के ग्राम पालकी में निर्मित ओवरहेड टैंक की टीम ने निरीक्षण किया। इसी तरह से जल निर्माण संसाधन विभाग के अंतर्गत बैनूर रिजर्वायरके नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। टीम ने उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी ली एवं अधिकारियों को जरूरी मार्गदर्शन भी दिया।

नक्सलमुक्त बस्तर में अब विभिन्न निर्माण कार्यों के निरीक्षण करने जांच एजेन्सीयों के दल आसानी से पहुंच रहे हैं। तकनीकी टीमों द्वारा निर्माण कार्यों को कराने स्थानिय अधिकारियों को उचित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है, जिससे अब अबूझमाड़ में निर्माण कार्य तेजी से किए जाने लगे हैं।

आत्मसम्मान और सुरक्षा का नया आधार बना-प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्रामीण जीवन में ठोस बदलाव के साथ बेहतर भविष्य का प्रतीक भी बन चुका है प्रधानमंत्री आवास योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाने में असमर्थ परिवारों के लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता प्रदान करती है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कच्चे घरों में रहने वाले या बेघर परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए वित्तीय सहायता देती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश की साय सरकार आमजन के जीवन में ठोस बदलाव ला रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर के निवासी जमुना प्रसाद और उनकी पत्नी लालती की जीवनगाथा इस परिवर्तन का जीवंत उदाहरण है, जिन्होंने कच्चे और जर्जर मकान से पक्के, सुरक्षित घर तक का सफर तय किया है।

जमुना प्रसाद और उनकी पत्नी श्रीमती लालती का आज नया घर न केवल पक्की दीवारों और मजबूत छत से सुसज्जित है, बल्कि यह उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का प्रतीक भी बन चुका है। जमुना और लालती का परिवार एक ऐसे कच्चे घर में रह रहा था, जहां हर मौसम उनके लिए चुनौती बनकर आता था। बरसात में टपकती छत, गर्मी में असहनीय तपिश और ठंड में ठिठुरन, इन सबके बीच उनका संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत हो रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनाने में असमर्थ थे, जिससे उनका सपना अधूरा ही नजर आ रहा था।

इसी बीच वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्के मकान की स्वीकृति मिली और 1 लाख 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। साय सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। शासन से मिली सहायता और अपनी सीमित बचत को जोड़कर उन्होंने घर निर्माण का कार्य शुरू किया। स्थानीय मजदूरों के सहयोग से कुछ ही महीनों में एक मजबूत और सुरक्षित पक्का मकान तैयार हो गया। अब उनका परिवार हर मौसम में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है। जमुना और लालती गर्व से कहते हैं कि उनका यह घर उनके सपनों का साकार रूप है, जिसने उन्हें नई उम्मीद और आत्मविश्वास दिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को बेहतर बना रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) न केवल लोगों को छत प्रदान कर रही है, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा और सम्मान भी सुनिश्चित कर रही है। जमुना और लालती की कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार की योजनाएं सही दिशा में और प्रभावी तरीके से लागू होती हैं, तो वे जरूरतमंदों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है।

मुख्यमंत्री की तत्परता से मिनटों में हरकत में आया प्रशासनः जरूरतमंद तक पहुँची राहत

मीडिया में खबर आते ही मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, प्रशासन हरकत में आया, तीन माह की लंबित पेंशन, राशन और योजनाओं का लाभ तत्काल सुनिश्चित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील, सजग और जनकेंद्रित नेतृत्व का एक और सशक्त उदाहरण सामने आया है, जहाँ एक वृद्ध हितग्राही की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए शासन ने तुरंत राहत सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश पर गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पथर्री निवासी भीखलु राम ध्रुव को जिला प्रशासन की सक्रियता से बड़ी राहत मिली है।

मीडिया के माध्यम से प्रसारित एक खबर में यह जानकारी सामने आई थी कि भीखलु राम ध्रुव लंबे समय से पेंशन और राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इस खबर को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिना विलंब किए तत्काल संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि संबंधित हितग्राही को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई शुरू की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर बीएस उइके ने स्वयं मामले की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि भीखलु राम ध्रुव का ई-केवाईसी किसी कारणवश लंबित था, जिसके कारण उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। प्रशासन द्वारा तत्काल ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई, जिससे उन्हें पुनः शासकीय योजनाओं का लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। प्रशासन की तत्परता का परिणाम यह रहा कि श्री भीखलु राम ध्रुव को तीन माह की लंबित वृद्धावस्था पेंशन एकमुश्त प्रदान की गई।

वहीं खाद्य विभाग द्वारा भी संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके घर पहुंचकर 01 क्विंटल चावल उपलब्ध कराया गया है। अब उन्हें नियमित रूप से उचित मूल्य की दुकान से राशन मिलना सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस मानवीय और तत्पर हस्तक्षेप से राहत प्राप्त करने पर भीखलु राम ध्रुव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पेंशन और राशन मिल जाने से मेरे जीवन में बड़ी राहत आई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की यह संवेदनशीलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अब मुझे भरोसा है कि सरकार हमारी चिंता करती है।

उल्लखेनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रत्येक जरूरतमंद तक उनका लाभ समय पर पहुंचे, इसके लिए निरंतर सजग और प्रतिबद्ध है।

एक्टिंग नहीं, बल्कि आलिया भट्ट इस फील्ड में बनाना चाहतीं हैं राहा का करियर

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी बेटी राहा के करियर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वो राहा को क्या बनते हुए देखना चाहती हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बेटी राहा 3 साल की हो गई है, और आलिया अभी से अपनी बच्ची के भविष्य के लिए सोचने लगीं हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वे राहा को कौनसे करियर फील्ड में देखने पसंद करेंगी। इसमें चौंकाने वाली बात ये रही कि उन्होंने राहा के भविष्य में एक्टिंग या बॉलीवुड स्टार बनने का जिक्र नहीं किया।

आलिया इस फील्ड में बनाना चाहती हैं राहा का करियर

फेमिना को दिए इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने अपनी सोच और पर्सनल लाइफको लेकर दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगता है जब सब कुछ एक टीम की तरह काम करता है। अगर मैं एथलीट होती, तो जरूर कोई टीम स्पोर्ट खेलती।

ये बात मैं कभी-कभी सोचती भी हूं। यहां तक कि अपनी बेटी के लिए भी, मैं चाहती हूं कि वो एथलीट बने। वो बहुत कॉम्पिटिटिव है और काफी एक्टिव भी। वो अभी सिर्फ तीन साल की है, लेकिन बहुत उछल-कूद करती रहती है। मुझे टीमवर्क में सच में बहुत खुशी मिलती है।'

मां बनने के बाद हुए बदलावों पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

मां बनने के बाद अपने काम को लेकर सोच में आए बदलाव पर आलिया ने कहा कि एम्बिशन का मां बनने से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि पैरेंट बनने के बाद प्राथमिकताएं जरूर बदलती हैं, लेकिन इससे जिंदगी और करियर में क्वालिटी पर ज्यादा फोकस आता है, और उनके साथ भी ऐसा ही हुआ।

आलिया और रणबीर की लव स्टोरी

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने कई साल तक एक-दूसरे को डेट किया। खबरों के मुताबिक दोनों की लव स्टोरी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सेट पर शुरू हुई, जिसकी शूटिंग करीब 7 साल तक चली। इसके बाद दोनों ने अप्रैल 2022 में शादी की थी। इसके बाद नवंबर 2022 में उनकी बेटी राहा का जन्म हुआ, जो अब उनकी जिंदगी का सबसे खास हिस्सा है।

'डर नहीं, दहशत हूं'

शाहरुख खान की 'किंग' की रिलीज डेट हुई कंफर्म; मेकर्स ने शेयर किया नया टीजर

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की 'किंग' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की भारी-भरकम स्टारकास्ट पहले से ही सुर्खियां बटोर रही है। वहीं पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर फिल्म का पहला लुक सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक नया टीजर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट कंफर्म कर दी है।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा इंस्टाग्राम पर 'किंग' का एक खास टीजर जारी किया गया। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया कि 'किंग' क्रिसमस के मौके पर एक दिन पहले 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस घोषणा के साथ इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प कैप्शन भी शेयर किया गया, जिसमें शाहरुख खान की 'बॉलीवुड के बादशाह' के रूप में लोकप्रियता का जिक्र किया गया।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'एक ऐसी दहाड़ जो साम्राज्य को हिला दे। किंग 24.दिसम्बर 2026 को आ रही है।' साझी की गई छोटी सी झलक में शाहरुख खान एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। जहां वो कहते हैं, 'डर नहीं, दहशत हूं।'

सिद्धार्थ आनंद ने किया है निर्देशन

शाहरुख खान के साथ 'पठान' का निर्देशन कर चुके सिद्धार्थ आनंद ही 'किंग' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कास्ट पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, अभय वर्मा और राघव जुयाल समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पिछले साल हुई थी 'किंग' की घोषणा

फिल्म के शीर्षक का खुलासा पिछले साल 2 नवंबर को शाहरुख खान के जन्मदिन पर हुआ था। तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। पहले लुक में शाहरुख खान ग्रे कलर के बालों में एक्शन अवतार में नजर आ रहे थे। फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का रोमांटिक एंगल होगा।

बेटी न्यासा संग बिगड़ गया था काजोल का रिश्ता

पैरेंटिंग के मुश्किल दौर को किया बयां; बोलीं- 'आपस में झगड़ते.....'

काजोल ने हालिया एक इंटरव्यू में अपने और बेटी न्यासा देवगन के रिश्ते पर बेबाकी से बात की है। जानिए, बेटी की परवरिश करने के लिए उन्होंने क्यों अपने व्यवहार में बदलाव किया?

काजोल बड़े पर्दे पर एक दयालु मां का किरदार कई बार निभा चुकी हैं। असल जिंदगी में भी वह एक बेटी न्यासा और बेटे युग की परवरिश कर रही हैं। जब काजोल की बेटी न्यासा टीनएज में आई तो इनके रिश्ते में कई उतार-चढ़ावा आए, एक वक्त तो दोनों के बीच खूब झगड़ते भी होते थे। फिर कैसे इनका रिश्ता बेहतर हुआ हालिया एक इंटरव्यू में काजोल ने बताया।

क्यों होता था न्यासा और काजोल के बीच झगड़ा?

हाल ही में काजोल ने लिली सिंह के पॉडकास्ट पर में अपनी जेन जी बेटी न्यासा और उसकी परवरिश में आने वाली चुनौतियों का जिक्र किया। वह कहती हैं, 'मैं उससे बहुत सारी बातें करती हूं। मैं उसकी हर बात समझाती हूं। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे हमें मिलकर बनाना पड़ा है। जब वह टीनएज में आई तो हम दोनों ही बहुत ज्यादा परेशान थे। हम आपस में झगड़ते थे, कई बार हम दोनों ही बिना सोचे-समझे बातें कह देते थे। कई बार हम दोनों ही तर्कहीन बातें करते थे।'

बेटी को लेकर काजोल ने बदली अपनी सोच

काजोल आगे कहती हैं, 'बड़े होने के नाते मैंने पहल की। खुद से कहा कि मुझे थोड़ा और समझदारी से काम लेना चाहिए। मैंने तय किया कि अब मैं न्यासा से झगड़ा नहीं करूंगी। मैं उससे बात करने की कोशिश करूंगी। मैं उससे तब तक बात करती रहूंगी जब तक वह मेरी बात सुनना शुरू न कर दे। धीरे-धीरे यह तरीका बातचीत में बदल गया, लंबी-लंबी बातचीत में हमारे बीच होने लगी। इसी बात से सबसे बड़ा फर्क पड़ा। पैरेंटिंग की यही मेरी सबसे बड़ी सीख थी।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं काजोल?

काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखी थीं। साथ ही उन्होंने ट्विंकल खन्ना के साथ एक टॉक शो 'टू मच' भी किया था। इस शो में बॉलीवुड सेलेब्स आकर अपने कई राज बताते थे।

कैलाश खेर ने दिखाई संगीत सफर की खास झलक

14 साल की उम्र में छोड़ा घर; लिखा - 'शांत माहौल..'

गायक कैलाश खेर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पुराने दिनों को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही गायक ने एक नोट भी लिखा है।

कैलाश खेर ने 'तेरी दीवानी', 'अल्लाह के बंदे', 'सैयां', 'या रब्बा', 'चक ले दे', 'यूं ही चला चल', और 'बम लहरी' जैसे कई सुपरहिट गाने गाए हैं। आज उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पुरानी यादों को शेयर किया है।

कैलाश का पोस्ट

कैलाश खेर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कैलाश काफी यंग नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में गिटार पकड़ा हुआ है। गायका ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'शांत माहौल और पूरा आनंद'।

14 साल की उम्र में छोड़ा घर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कैलाश ने अपने शुरुआती संघर्ष के बारे में बात करते हुए बताया कि संगीत के प्रति उनका प्रेम इतना ज्यादा था कि उसे अच्छे से करने के लिए उन्होंने 14 साल की उम्र में ही अपना घर छोड़ दिया था। जिसके बाद कैलाश ने शास्त्रीय और लोक संगीत की शिक्षा ली।

अपनी पढ़ाई और रोज के खर्चों के लिए कैलाश खेर ने कई टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए जिंगल्स रिकॉर्ड भी बनाए। इसके बाद गायक ने 2003 में फिल्म 'अंदाज' में 'रब्बा इश्क ना होवे' गाना रिलीज किया।

किस गाने से मिली कैलाश को प्रसिद्धि

आखिरकार, कैलाश खेर को बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी की फिल्म 'वैसा भी होता है 2' के गाने 'अल्लाह के बंदे' से काफी प्रसिद्धि मिली। हाल ही में गायक ने 'जोगी' नाम गाना गाया है। यह गाना उन्होंने आदि शंकराचार्य को समर्पित किया है।

ऐसे पकाएं भोजन कि पोषक तत्व रहें सुरक्षित

खाना पकाने का तरीका हमारे भोजन के पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकता है। कुछ तरीकों से पोषक तत्व बचाए जा सकते हैं, जबकि कुछ से नुकसान भी हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सेहतमंद तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अपने खाने को ज्यादा पौष्टिक बना सकते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। सही खाना पकाने का तरीका अपनाकर आप अपने भोजन का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

भाप से खाना पकाना

भाप से खाना पकाना एक बेहतरीन तरीका है, जिससे सब्जियों और अन्य खाने की चीजों के पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं। इस विधि में कम से कम पानी का उपयोग किया जाता है, जिससे विटामिन्स और मिनरल्स बचाए जा सकते हैं। भाप से पकाने से सब्जियों का रंग और स्वाद भी बरकरार रहता है। इसके अलावा यह तरीका खाने को अधिक ताजा और पौष्टिक बनाता है, जिससे आपके भोजन का पूरा लाभ उठाया जा सकता है।

उबालकर खाना बनाना

उबालकर खाना बनाना भी एक सेहतमंद तरीका है, खासकर दालों और अनाजों के लिए। इसमें खाने की चीजों को पानी में डालकर धीमी आंच पर पकाया जाता है, जिससे उनमें मौजूद पोषक तत्व पानी में घुलकर नष्ट नहीं होते। उबालकर खाना बनाने से खाने का स्वाद भी बढ़ जाता है और यह पौष्टिक बना रहता है। इस विधि से पकाने से खाने का पूरा लाभ उठाया जा सकता है और यह आपके भोजन को अधिक पौष्टिक बनाता है।

ग्रिल करना

ग्रिल करना एक ऐसा तरीका है, जिससे मांसाहारी व्यंजनों को सेहतमंद बनाया जा सकता है। इसमें कम तेल का उपयोग होता है और मांसाहारी व्यंजन ताजगी भरे रहते हैं। ग्रिल करने से मांसाहारी व्यंजनों का स्वाद बढ़ता है और उनमें मौजूद चर्बी कम होती है। इसके अलावा ग्रिल करने से मांसाहारी व्यंजनों में मौजूद पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं, जिससे आपका भोजन अधिक पौष्टिक और सेहतमंद बनता है। यह तरीका आपके खाने को स्वादिष्ट और सेहतमंद बनाता है।

भूनना

भूनना एक ऐसा तरीका है, जिससे सूखे मेवे, मसाले आदि को पकाया जा सकता है। इसमें कम तेल का उपयोग होता है और स्वाद बढ़ता है। भूनने से मसालों का स्वाद और खुशबू उभरकर आती है, जिससे आपका भोजन अधिक स्वादिष्ट बनता है। इसके अलावा भूनने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं, जिससे आपका भोजन पौष्टिक और सेहतमंद बनता है। यह तरीका आपके खाने को ताजा और पौष्टिक बनाता है।

खास खबर

दशकों का अँधेरा टूटा, अबूझमाड़ के ईरपानार गाँव में पहली बार पहुँची बिजली

रायपुर। कभी नक्शे पर नाम भर रह गया ईरपानार आज उम्मीदों की नई पहचान बन गया है। अबूझमाड़ के गहरे जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम पगडंडियों के बीच बसे इस छोटे से गांव में पहली बार बिजली पहुँची है। वर्षों तक अंधेरे में जीवन गुजारने वाले ग्रामीणों के घरों में जब पहली बार बल्ब जले, तो गांव ने सिर्फ उजाला नहीं देखा, बल्कि विकास को महसूस किया। ईरपानार नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है, लेकिन यह दूरी सामान्य रास्ते जैसी नहीं है। यहां तक पहुंचने के लिए कच्चे मार्ग, पहाड़ी चढ़ाई, घने वन क्षेत्र और कई स्थानों पर पैदल सफर करना पड़ता है। बरसात के मौसम में संपर्क और भी कठिन हो जाता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नारायणपुर संभाग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया। कार्यपालन अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद मिशन मोड में काम कर सफलता हासिल की। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि ईरपानार तक बिजली पहुंचाना सामान्य तकनीकी कार्य नहीं था। कई हिस्सों में बिजली खंभे, तार और सामग्री पहुंचाने के लिए कठिन श्रम करना पड़ा। टीम को ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों, जंगलों और सीमित संसाधनों के बीच काम करना पड़ा। कई स्थानों पर मशीनों की बजाय मानव श्रम और स्थानीय सहयोग से सामग्री पहुंचाई गई।

अबूझमाड़ की पारुल को मिली नई ज़िंदगी, प्रोजेक्ट धड़कन बनी नन्ही धड़कनों का सहारा

रायपुर। नारायणपुर जिले के दूरस्थ ब्रेहबेड़ा गांव की 2 वर्षीय पारूल दुग्गा अब फिर से मुस्कुरा रही है। कुछ समय पहले तक यह नन्हीं बच्ची जल्दी थक जाती थी, सामान्य बच्चों की तरह खेल नहीं पाती थी और परिवार उसकी सेहत को लेकर लगातार चिंतित रहता था। गांव के सीमित संसाधनों के बीच माता-पिता को यह भी पता नहीं था कि उनकी बच्ची के हृदय में गंभीर समस्या है। लेकिन जिले में शुरू किए गए प्रोजेक्ट धड़कन ने न केवल बीमारी की समय पर पहचान की, बल्कि पारूल को नया जीवन भी दे दिया। नारायणपुर जिले में बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से फरवरी 2026 में प्रोजेक्ट धड़कन की शुरुआत की गई थी। इस विशेष अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की हृदय संबंधी जांच कर गंभीर मामलों की शुरुआती अवस्था में पहचान करना है, ताकि समय रहते उनका उपचार कराया जा सके। खास बात यह है कि यह पहल उन सुदूर क्षेत्रों तक पहुंची, जहां पहले विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहद सीमित थी। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव-गांव जाकर बच्चों की स्क्रीनिंग की। प्रथम चरण में 3000 से अधिक बच्चों की जांच की गई। इस दौरान तीन बच्चों में हृदय रोग के संभावित लक्षण पाए गए। इनमें ब्रेहबेड़ा की पारूल दुग्गा भी शामिल थी। जब पारूल के परिवार को बच्ची की बीमारी की जानकारी मिली तो चिंता बढ़ गई, लेकिन पहली बार उम्मीद भी जगी।

विकसित भारत के आधार स्तंभ हैं युवाः मंत्री टंकराम वर्मा

युवा फेस्ट-2026 का भव्य समापनः दायरा बैंड के सुरों पर थिरका धमतरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी के पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'युवा फेस्ट-2026' का आज अत्यंत उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल में समापन हुआ। इस महाकुंभ ने न केवल युवाओं की प्रतिभा को एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति और आधुनिक संगीत के अद्भुत संगम से पूरे शहर को ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में मंत्री वर्मा ने कहा कि युवा फेस्ट जैसे आयोजन न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देते हैं, बल्कि उनमें नवाचार और आत्मविश्वास का संचार भी करते हैं।

आज का युवा ही 'विकसित भारत-2047' का मुख्य आधार स्तंभ है। स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलकर आप सभी राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करें। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की युवा-कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से इनका लाभ उठाकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन 'दायरा बैंड' (जादू बस्तर) की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। बैंड ने छत्तीसगढ़ी लोकधुनों और समकालीन फ्यूजन के ऐसे सुर छेड़े कि पूरा परिसर झूम उठा। लोक और आधुनिक संगीत के इस बेजोड़ मेल ने युवा पीढ़ी के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के दर्शकों का मन मोह लिया।

मंत्री श्री वर्मा ने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, विशेषकर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रामू रोहरा ने भी युवाओं से अपनी रचनात्मकता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की।

समापन समारोह में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेल और नवाचार से जुड़ी 23 विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पीजी कॉलेज ने इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रनिंग ट्रॉफी अपने नाम की।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि फेस्ट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना था, जहाँ वे स्टार्टअप, स्किल डेवलपमेंट और कला-संस्कृति के व्यावहारिक ज्ञान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन भविष्य में भी युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। शिक्षा विभाग और महाविद्यालय प्रशासन के सहयोग से संपन्न हुआ यह आयोजन जिले के युवाओं के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हमारा पशुधन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मानव सभ्यता के आरंभ से ही पशु हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं का संरक्षण और संवर्धन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का आधार है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमुख स्तंभ भी है। उन्होंने पशु चिकित्सकों को समाज के मूक प्राणियों का सच्चा संरक्षक बताते हुए कहा कि उनकी सेवा, समर्पण और करुणा से न केवल पशुओं का जीवन सुरक्षित होता है, बल्कि यह मानवता के प्रति भी एक महान योगदान है। उन्होंने मूक प्राणियों, बेजुबान जानवरों, की सेवा और सुरक्षा में समर्पित पशु चिकित्सकों, पशु प्रेमियों और संस्थाओं की सराहना की।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ संघ द्वारा राजमोहिनी कृषि महाविद्यालय, अजिरमा (अम्बिकापुर) में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया । अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रमों में पशुधन विकास विभाग द्वारा मूक प्राणियों के स्वास्थ्य, टीकाकरण और संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पशु चिकित्सकों और क्षेत्र सहायकों को सम्मानित किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में जब पशुपालन ग्रामीण आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है, तब पशु चिकित्सकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से पशु चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने और इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। पशु पुनर्वास केंद्रों और गोशालाओं में कार्यरत कर्मठ व्यक्तियों, जो निराश्रित, घायल और बीमार पशुओं की सेवा में अपना जीवन समर्पित करते हैं, उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में विधायक प्रबोध मिंज सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पशु चिकित्सक, विभागीय अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पशु चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का समापन पशु कल्याण और संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और उनकी देखभाल के महत्व को आत्मसात करने का संदेश दिया।

सोलर पैनल अपनाकर देवश्री साहू बनीं आत्मनिर्भर, बिजली बिल से मिली पूर्ण मुक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से न केवल बिजली बिल से राहत मिल रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी भागीदारी का अवसर दे रहा है। सोलर पैनल अपनाकर लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं।बलौदाबाजार की शिक्षिका देवश्री साहू ने भी योजना के तहत अपने मकान के छत पर सोलर पैनल लगवाया जिससे अब मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। ने बताया कि सोलर पैनल लगाने की प्रेरणा उन्हें अपने भाई के घर से मिली, जहाँ उन्होंने पहली बार इस तकनीक को देखा और इसके फायदों के बारे में विस्तार से समझा। शासन की इस लोक-कल्याणकारी योजना से प्रभावित होकर उन्होंने जून 2025 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित करवाया।

सोलर पैनल लगने के बाद देवश्री के घर की बिजली व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि पहले जिस बिजली बिल के भुगतान की चिंता बनी रहती थी, वह अब लगभग शून्य हो गया है। साथ ही इसे लगाने पर केंद्र और राज्य सरकार से सब्सिडी भी मिली है। एक शिक्षिका होने के नाते वे समाज में जागरूकता के महत्व को समझती हैं और अब वे अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। देवश्री ने अपनी इस आर्थिक बचत और सहूलियत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सपनों को मिली पक्की छतः प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली प्रदीप राम की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मलगवां खुर्द के हितग्राही प्रदीप राम इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं। कभी कच्चे और खपरैल के मकान में असुरक्षित जीवन बिताने को मजबूर प्रदीप राम आज अपने पक्के घर में सम्मानपूर्वक रह रहे हैं।

वे बताते हैं कि पहले बरसात के मौसम में छत से पानी टपकना आम बात थी, जिससे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था और दो छोटे बच्चों के साथ कच्चे घर में रहना हमेशा चिंता का विषय बना रहता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने के बाद उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। अब उनका परिवार सुरक्षित माहौल में रह रहा है और घर में पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध हो गई हैं।

प्रदीप राम ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल ने उनके सपनों को साकार कर दिया है। उनका कहना है कि यह पक्का मकान केवल एक आवास नहीं, बल्कि उनके परिवार की खुशियों और सुरक्षित भविष्य की नींव है।

केरे गांव बन रहा ग्रामीण पर्यटन का नया केंद्र, होमस्टे मॉडल से बढ़ी पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले का केरे गांव तेजी से एक उभरते पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना रहा है।

यह पहल स्थानीय लोगों की आजीविका को सशक्त बनाने के साथ-साथ क्षेत्रीय संस्कृति को भी नई पहचान दे रही है। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से केरे गांव को पर्यटन गांव के रूप में विकसित किया गया है। यहां अब तक 5 होमस्टे स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, ग्रामीणों को होमस्टे संचालन, अतिथि सत्कार और प्रबंधन से जुड़ा प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे वे बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें।

हाल ही में केरे स्थित 'महुआ होमस्टे' में ठहरे यात्रियों का अनुभव इस पहल की सफलता को दर्शाता है। बिलासपुर से रांची जा रहे तीन यात्रियों ने यात्रा के दौरान आरामदायक ठहराव के लिए इस होमस्टे का चयन किया। ऑनलाइन माध्यम से जानकारी मिलने के बाद वे यहां पहुंचे, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। उन्हें घर जैसा स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन मिला, साथ ही साफ-सुथरी और आरामदायक व्यवस्था का अनुभव भी हुआ। अतिथियों ने मेजबानों के व्यवहार और सुविधाओं की खुलकर सराहना की। यह सकारात्मक अनुभव दर्शाता है कि केरे गांव अब एक भरोसेमंद और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो रहा है।

जिला प्रशासन के अनुसार, इस पहल से न केवल ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं, बल्कि सामुदायिक भागीदारी भी मजबूत हो रही है। साथ ही, यह मॉडल स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है।

सुशासन की नई मिसालः नारायणपुर के सबसे सुदूर 'लंका' गांव तक पहुंचा प्रशासन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में नारायणपुर जिला में विकास और सुशासन की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जिले के ओरछा विकासखंड के सुदूर और दुर्गम छोर पर स्थित लंका गांव में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर प्रशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि विकास की किरणें अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर और इन्द्रावती नदी के किनारे बसा लंका गांव, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था, वहां आजादी के बाद पहली बार जिला स्तरीय प्रशासनिक शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की टीम ने नदी-नालों और पहाड़ों के कठिन रास्तों को पार कर ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उनका समाधान भी किया।

इस शिविर में सबसे बड़ा आकर्षण 'सुशासन एक्सप्रेस' रही। वाई-फाई युक्त इस मोबाइल सेवा वाहन ने ग्रामीणों की तकनीकी बाधाओं को दूर कर दिया। इस वाहन के माध्यम से तत्काल आधार कार्ड, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार के आवश्यक दस्तावेज मौके पर ही तैयार किए गए। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की मजबूरी से मुक्ति मिली। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 17,520 आवेदनों का त्वरित निस्तारण कर रिकॉर्ड बनाया गया है।

दो दिवसीय शिविर में लंका सहित आसपास के पांच गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 310 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 242 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। इस शिविर में ?प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 179, मनरेगा जॉब कार्ड के 34, राशन कार्ड के 25 और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 18 आवेदन प्रमुख रहे।

शिविर में कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा, नियद नेल्लानार योजना के तहत आयोजित ये शिविर अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शासन की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। इससे न केवल ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का उनका सपना भी साकार हो रहा है। आगामी 29 और 30 अप्रैल को शिविर का आयोजन आदनार में किया जाएगा। जिसमें मलमेटा, कोंजे और बोडुम के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। सुशासन का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा।

स्व-गणना के लिए जिला प्रशासन की अपील नागरिक बढ़-चढ़कर करें सहभागिता

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्व-गणना (सेल्फऐनुमैरेशन) प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जनगणना कार्य को सफल बनाएं। प्रशासन द्वारा इस संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक नागरिक स्वयं अपनी जानकारी सही एवं समय पर दर्ज कर सके।

जिला प्रशासन ने बताया कि स्व-गणना की सुविधा के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना कार्य में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी। यह प्रक्रिया नागरिकों के लिए सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाई गई है। प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों एवं विभिन्न विभागों के माध्यम से लोगों को स्व-गणना के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं मैदानी अमले की मदद से घर-घर तक संदेश पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे स्व-गणना करते समय सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें, ताकि भविष्य में शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सही ढंग से पहुंच सके। साथ ही, किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित विभागों से संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल एक आंकड़ा संग्रह नहीं, बल्कि विकास योजनाओं की नींव है।

खास खबर

नाले में छिपाई 140 लीटर महुआ शराब जब्त, दो आरोपी पकड़े गए

बिलासपुर। अवैध महुआ शराब के गढ़ गनियारी में अब तस्करों ने छिपाने का तरीका भी बदल दिया है। तालाब की बजाय अब नाले और खेत के कीचड़ में शराब और लहान छिपाई जा रही है। शनिवार को आबकारी विभाग की रेड में इसका खुलासा हुआ। उड़नदस्ता टीम ने सुबह गनियारी के सूर्यवंशी मोहल्ले में दबिश दी। खेतों और नालों की जांच के दौरान प्लास्टिक डिब्बों में भरकर सड़ाने के लिए रखा गया 2760 किलो महुआ लहान मिला। वहीं, दो अलग-अलग खेतों के गड्ढों से 140 लीटर महुआ शराब भी बरामद हुई। मौके पर अवैध शराब भट्टी भी मिली, जिसे टीम ने तोड़ दिया। जब्त लहान को वहीं नष्ट कर दिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने विक्की वर्मा (36) और सरातू वर्मा (32) को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया और जेल भेज दिया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी विशेश्वर साव, उप निरीक्षक धर्मेंद्र शुक्ला समेत पूरी टीम शामिल रही।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली शिक्षिका की जान, साथी गंभीर रूप से घायल

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर-रामानुजगंज मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रही दो शिक्षिकाएं ट्रक की चपेट में आ गईं। हादसे में एक शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना बसंतपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों शिक्षिकाएं स्कूटी से करमडीहा स्थित अपने विद्यालय जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक शिक्षिका ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी साथी रजनी केवट गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही बसंतपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और ट्रक को जब्त कर लिया। फरार चालक की तलाश जारी है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त नियंत्रण की मांग की है।

नशे में पति ने की पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

सूरजपुर। शराब के नशे में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के देवनगर का है। संतलाल नामक व्यक्ति ने नशे की हालत में अपनी 40 वर्षीय पत्नी चिंतामनी के साथ विवाद के दौरान मारपीट की। पिटाई इतनी गंभीर थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का उनका कहना है कि मृतिका के शरीर पर कई स्थानों पर चोट के निशान पाए गए हैं, साथ ही निजी अंगों में सूजन भी देखी गई है, जिससे घटना को लेकर संदेह और गहरा गया है। प्रारंभिक जांच में यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है और आरोपी पति द्वारा नशे में वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर घर में घुसा भोजन कर रही महिला की मौत

राजनांदगांव। गंडई क्षेत्र के ग्राम मुंडाटोला निवासी कमला नेताम अपने घर के आंगन में बने किचन में खाना खा रही थीं। उसी दौरान ट्रैक्टर का चालक तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए नियंत्रण खो बैठा और सीधे किचन में जा घुसा। घटना के बारे में मृतका के पुत्र जितेंद्र नेताम ने बताया कि ट्रैक्टर ने किचन की दीवार को तोड़ दिया और अंदर घुस गया। हादसे में कमला नेताम ट्रैक्टर के नीचे आ गईं, जिससे उनके सिर, चेहरा और सीने में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपित चालक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बेवफाई के गम में युवक ने लगाई फांसी

बॉयफ्रेंड ने लिखा- गर्लफ्रेंड कई लड़कों से बात करती थी, उसे सबक सिखाने ऐसा कर रहा हूं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में 25 साल के युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। कोमल वर्मा (25) भाठागांव में अपने परिवार के साथ रहता था। 24 अप्रैल की रात उसके पिता और छोटा भाई छत पर सो रहे थे। उसकी मां शादी में गई हुई थी। तभी वह फंदे से झूल गया। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है।

घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने अपनी गर्लफ्रेंड पर धोखा देने का आरोप लगाया है। उसने लिखा कि वह देवकी साहू से 5 साल रिलेशन में था, लेकिन वह उसके पीठ पीछे 3 से 4 लड़कों से बात करती थी, पकड़े जाने पर बहाना बनाकर मुझे मना लेती थी। सुधरने का मौका दिया लेकिन वह नहीं मानी। उसे सबक सिखाने के लिए ये कदम उठा रहा। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, कोमल वर्मा एयरपोर्ट में काम करता था। वह मूल रूप से बलौदा बाजार जिले के सुहेला थाना क्षेत्र के खपराडीह गांव का रहने वाला था। रायपुर के घर में उसके अपने कमरे में वह फंदे पर लटकता मिला। परिवार को अगले दिन 25 अप्रैल के सुबह घटना की जानकारी हुई।

इसके बाद परिजनों ने थाने में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद कर लिया है। इसमें युवक ने देवकी साहू नाम की एक लड़की का जिक्र करते हुए उस पर धोखा देने और अन्य लड़कों से संबंध रखने का आरोप लगाया है।

जानिए सुसाइड नोट में क्या लिखा

मैं कोमल वर्मा जो भी कर रहा हूं। मेरे घर वालों की तरफ से कोई प्रेशर नहीं है। उनको इस बारे में कु छ पता नहीं है। जो अभी मेरे साथ हो रहा है उसमें इनको इन सब में ना लाए। ये कदम मैं देवकी साहू संतु साहू के बेटी के कारण उठा रहा हूं। मेरा 5 साल का रिलेशन रहा उसके साथ।

3 दिसंबर 2019 से हम दोनों साथ हैं। मेरे रहते भी पहले उसने 3-4 लड़कों से मेरे पीठ पीछे बात की है और आज भी ऐसा कर रही है। हम लड़के हैं। इस केस में हमेशा लड़के को ही क्यों गलत बना दिया जाता है।

मेरे रहते मेरे पीठ पीछे हमेशा से कुछ ना कुछ करती रही है और जब पकड़ी जाती है तो बहाना बना के मना लेती थी। इस बात का सबूत मेरे मोबाइल में है। फिर भी मैं उसको सुधरेगी करके मौके पर मौका दिया। लेकिन अब ये कदम उसको सबक सिखाने के लिए ले रहा हूं।

लड़की के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही सुसाइड नोट और मोबाइल जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच प्रेम प्रसंग के एंगल से कर रही है।

एयू के कुलसचिव से मारपीट करने वाले दो युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। तोरवा में अटल बिहारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव के साथ ओवरटेक विवाद में मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरटीओ से मिली जानकारी के आधार पर फॉरच्यूनर कार तक पहुंचकर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और वाहन भी जब्त किया। तोरवा पावर हाउस चौक निवासी प्रभारी कुलसचिव तरनीश गौतम शनिवार को ड्राइवर नहीं होने के कारण अपनी कार से विश्वविद्यालय जा रहे थे। स्वास्तिक अस्पताल के पास फॉरच्यूनर (सीजी 10 एटी 0017) सवार युवकों ने

ओवरटेक को लेकर उनसे विवाद शुरू कर दिया। कुछ ही देर में बात बढ़ी और आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए सरेराह मारपीट की, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद शिकायत पर तोरवा पुलिस ने टेक्निकल इनपुट और आरटीओ की मदद से आरोपियों की पहचान मस्तूरी निवासी लाखन सिंह (32) और जयप्रकाश राठौर (29) के रूप में की। दोनों को भदौरा गांव से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि लाखन कार मालिक का साला है, जो दोस्त के साथ घूमने निकला था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर युवक के जीजा की कार को जब्त कर लिया है।

एयरपोर्ट के बाहर ऑटो चालक का फोड़ा सिर

सवारी बिठाने के नाम पर विवाद, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के एयरपोर्ट के बाहर सवारी बिठाने को लेकर दो ऑटो चालकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला खूनी झगड़े में बदल गया।

गुस्से में एक चालक ने दूसरे पर बोतल फोड़कर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित का नाम परमानंद धृतलहरे और आरोपी का नाम जुबेर खान बताया जा रहा है। माना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी परमानंद धृतलहरे और आरोपी जुबेर खान दोनों एयरपोर्ट के बाहर ऑटो चलाते हैं। शुक्रवार रात दोनों के बीच सवारी

को लेकर कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों में मारपीट होने लगी। इसी दौरान आरोपी जुबेर खान ने पास में पड़ी कांच की बोतल उठाई और परमानंद के सिर पर फोड़ दी।

बोतल लगने से परमानंद लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक, उसके सिर में गहरी चोट आई है, हालांकि हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी जुबेर खान को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल भेज दिया है।

सवारी बिठाने के नाम पर अक्सर होता है विवाद

रायपुर के एयरपोर्ट क्षेत्र में सवारी को लेकर अक्सर ऑटो चालकों के बीच विवाद होता रहता है। एयरपोर्ट परिसर में भी कई बार विवाद हो चुका है। इसके अलावा एयरपोर्ट में पॉर्किंग के कर्मचारियों पर अभद्रता-मारपीट के आरोप पूर्व में लगे है। पॉर्किंग के कर्मचारियों ने विवादित लोगों की कई बार शिकायत पुलिस से की है। पुलिस अधिकारियों ने विवाद करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

रायपुर पुलिस की सरप्राइज चेकिंग में 235 संदेहियों की जांच

6 घंटे में नॉर्थ-जोन के अफसरों ने 135 अपराधी पकड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए शुक्रवार रात बड़ा ऑपरेशन चलाया। वेस्ट जोन पुलिस ने करीब 6 घंटे तक सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाकर 235 संदिग्ध लोगों की जांच की। इस दौरान 135 अपराधियों, वारंटियों और संदिग्धों पर कार्रवाई की गई।

इस अभियान में करीब 150 पुलिस अफसर और जवान शामिल रहे। पुलिस ने ड्रोन कैमरों की मदद से गलियों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संदिग्ध ठिकानों पर नजर रखी। एक साथ कई थाना क्षेत्रों में दबिश देकर कार्रवाई की गई, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया।

आमानाका इलाके में सबसे ज्यादा कार्रवाई

सबसे ज्यादा चेकिंग आमानाका थाना क्षेत्र में हुई, जहां 37 लोगों की जांच कर 25 कार्रवाई की गई। यहां 7 आबकारी एक्ट, 6 प्रतिबंधात्मक बीएनएसएस, 1 छेड़छाड़ आरोपी की गिरफ्तारी और 1 अवैध चाकू जब्त किया गया। डीडी नगर में 35 लोगों की जांच कर 25 कार्रवाई की गई। यहां 4 गिरफ्तारियां, 5 स्थायी और 11 जमानती वारंट

तामील किए गए।

आजाद चौक थाना क्षेत्र में 28 चेकिंग के दौरान 20 कार्रवाई हुई। पुरानी बस्ती में 24 चेकिंग में 19 कार्रवाई, टिकरापारा में 30 चेकिंग में 17 कार्रवाई की गई। सरस्वती नगर में 7, मुजगहन में 7, न्यू राजेंद्र नगर में 10 और कबीर नगर में 5 मामलों में कार्रवाई हुई।

फरार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों, अवैध शराब बेचने वालों, चाकू लेकर घूमने वालों और सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने वालों पर भी केस दर्ज किए गए। कई फरार आरोपियों और वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में डर पैदा करने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हाइवा ने मासूम बच्चे को कुचला गाड़ी में लिखा दबदबा हे तोर भाई के

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पचपेड़ी के ग्राम चिरदा में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार हाइवा ने 4 साल के मासूम को कुचल दिया। हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक, बांदा (यूपी) से आया 4 वर्षीय सतीश शुक्ला गर्मी की छुट्टियां मनाने रिश्तेदार के घर आया था।

दोपहर करीब 1:15 बजे वह घर के सामने दुकान से बिस्किट लेने जा रहा था, तभी 12 चक्का हाइवा (सीजी 10 बीयू 8561) ने उसे कुचल दिया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर मस्तूरी और पचपेड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया है। गाड़ी विनय यादव के नाम पर रजिस्टर्ड बताई जा रही है। गाड़ी मालिक ने हाइवे के पीछे दबदबा हे तोर भाई के लिखवाया था। ग्रामीणों का कहना है कि शिवनाथ नदी से रेत का परिवहन इसी रास्ते से होता है। रोज सैकड़ों ट्रैक्टर और हाइवा गुजरते हैं, लेकिन न स्पीड कंट्रोल है और न ही सख्ती से जांच। इसी लापरवाही के चलते सड़क हादसे बढ़ रहे हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि डेढ़ साल पहले भी उनकी भांजी की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। लगातार हादसों से परिवार सदमे में है।

रायपुर में बस पलटी, 12 लोग घायल

डिवाइडर पर बस का पहिया चढ़ने से हादसा, सभी घायल अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में शनिवार की शाम को बड़ा सड़क हादसा हो गया। रायपुर से महासमुंद जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे में 12 लोग घायल हो गए। घटना मंदिर हसौद थाना के सामने की बताई जा रही है।

मंदिर हसौद निरीक्षक आशीष यादव से मिली जानकारी के अनुसार बस क्रमांक सीजी 06 जीके 6591 रायपुर से महासमुंद की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक ड्राइवर का नियंत्रण बस से हट गया। बस पहले डिवाइडर पर चढ़ी और फिर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

राहगीरों और थाना में मौजूद पुलिसकर्मियों ने बस के अंदर बैठे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। सड़क में बस पलटने की वजह से रायपुर-महासमुंद रोड में ट्रैफिक जाम हो गया था।

पुलिसकर्मियों ने बस को क्रेन से किनारे करवाया और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से

सही कराया। हादसे में घायल लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया और पुलिस अधिकारी उनके बारे में जानकारी जुटा रहे हैं।

बिलासपुर में 3.24-लाख का सागौन-साल की लकड़ी जब्त, वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने की छापेमारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बड़ी मात्रा में इमारती लकड़ी और मशीन बरामद

बिलासपुर। बिलासपुर में वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने इमारती लकड़ियों की तस्करी पर कार्रवाई की है। संयुक्त टीम ने पुलिस के साथ दबिश देकर 3 लाख 24 हजार रुपए कीमती सागौन, साल और शीशम की लकड़ी जब्त की है। इस कार्रवाई से पहले ही तस्कर मौके से फरार हो गया। टीम उसकी तलाश कर रही है।

मुख्य वन संरक्षक और वनमंडल अधिकारी को कोटा वन परिक्षेत्र में जंगलों की अवैध कटाई कर इमारती लकड़ियों के तस्करी करने की जानकारी मिल रही थी। इस पर अफसरों ने विभाग के

मैदानी अमले को मुखबिर लगाकर तस्करों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान टीम को जानकारी मिली कि कोटा वन परिक्षेत्र से सागौन, साल और शीशम जैसे कीमती लकड़ियों को काटकर भंडारण किया गया है।

उड़नदस्ता दल ने पुलिस के साथ की छापेमारी

अफसरों के निर्देश पर वन विभाग के उड़नदस्ता और पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्च वारंट के आधार पर तखतपुर विकासखंड के अमलीकांपा गांव में पिंकू खांडे और गीता खांडे के घर दबिश दी। इस दौरान टीम ने घर की तलाशी ली, तभी बाड़ी में बड़ी मात्रा में अवैध लकड़ी और एक रमदा मशीन बरामद हुई। जब्त वनोपज में 2.372 घन मीटर सागौन, 0.794 घन मीटर साल और 0.040 घन मीटर शीशम शामिल है। जब्त की गई लकड़ी की कुल कीमत करीब 3 लाख 24 हजार 370 रुपए आंकी गई है। वन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

कार्रवाई में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पुलिस टीम भी शामिल रही। जब्त वनोपज को सेल डिपो कोटा भेज दिया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, फरार आरोपी के ठिकानों में दबिश दी जा रही है।

सोने-चांदी की ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा

सुंदरगढ़। सदर थाना क्षेत्र के लोंकनुड़ा गांव में आरोपियों ने एक परिवार को अनिष्ट का भय दिखाकर सोने के झुमके और 1000 रुपये ठग लिए। मामले में 25 अप्रैल को केस दर्ज किया गया। एसडीपीओ निर्मल महापात्र के अनुसार, एसपी के निर्देश पर सदर टाउन और भस्मा थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों गुगु पांडा, दुलार पांडा, विशाल पांडा, धनु पांडा और डक्टर पांडा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह धार्मिक वेश धारण कर ग्रामीणों को अंधविश्वास के जरिए निशाना बनाता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषण, 36 हजार 170 रुपये नकद, धार्मिक सामग्री और छह मोबाइल फेन बरामद किए हैं। मामले की जांच जारी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950